■ मार्गशीर्ष शुक्ल - 10 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 137 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 11-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जो लोग जोखिम के लिए तैयार नहीं होते, वे पीछे रह जाते हैं : योगी

6 शांति एवं शीतलता देने वाला कल्पवृक्ष है गीता

7 फिल्म 'बागी 4' से संजय दत्त का खूंखार लुक रिलीज

## फर्स्ट टेक

### इंडि गठबंधन का धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** विपक्षी इंडिया समूह ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पर सदन में कार्यवाही के दौरान पक्षपात का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। राज्यसभा के 72 वर्ष के इतिहास में किसी सभापति के खिलाफ पहली बार अविश्वास का प्रस्ताव लाया गया है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अब तक तीन बार अविश्वास प्रस्ताव लाया जा चुका है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को कहा कि इंडि गठबंधन ने सभापति के खिलाफ राज्यसभा सचिववालय को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस प्रस्ताव पर इंडि गठबंधन के करीब करीब सभी दलों के 60 नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं । रमेश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में वीडियो साझा करते हुए कहा, 72 साल में पहली बार विपक्ष की पार्टियों ने राज्य सभा में चेयरमैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया है।

### नेतन्याहू भ्रष्टाचार के मामले में पहली बार कठघरे में खड़े हुए, गवाही दी

**तेल अवीव/एपी।** इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कथित भ्रष्टाचार के मामले में अपने खिलाफ लंबे समय से चल रहे मुकदमे में मंगलवार को पहली बार कठघरे में खड़े होकर गवाही दी। ऐसा उन्होंने तब किया है जब उन्हें युद्ध अपराधों के लिए अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट का सामना करना पड़ा है और गाजा में भी लड़ाई जारी है। यह पहली बार है कि जब किसी मौजूदा इजराइली प्रधानमंत्री ने एक आपराधिक प्रतिवादी के रूप में कठघरे में खड़े होकर गवाही दी। यह एक ऐसे राजनेता के लिए शर्मनाक है जिसने एक परिष्कृत और सम्मानित राजनेता के रूप में अपनी छवि बनाने की कोशिश की है।

### फिलीपीन में ज्वालामुखी विस्फोट के बाद कई गांवों को खाली कराया गया

**मनीला/एपी।** फिलीपीन के मध्य क्षेत्र में ज्वालामुखी फटने के बाद मंगलवार को लगभग 87 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। ज्वालामुखी फटने के बाद उससे गैस तथा राख का विशाल गुबार निकलता देखा गया और मलबे के साथ अत्यधिक गर्म लावा पश्चिमी ढलानों से नीचे की ओर बहता दिखा। केंद्रीय नीग्रोस द्वीप पर माउंट कनलाओन ज्वालामुखी में हुए हालिया विस्फोट में तत्काल कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन चेतावनी को एक स्तर और बढ़ा दिया गया है जो और अधिक तीव्र विस्फोट होने की आशंका जता रही है।

### चीन अपनी संप्रभुता व हितों की रक्षा करेगा : राष्ट्रपति शी

**बीजिंग/भाषा।** चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगलवार को आगाह किया कि अमेरिका और चीन के बीच शुल्क तथा प्रौद्योगिकी की लड़ाई में जीत किसी की नहीं होगी तथा बीजिंग अपने हितों की दृढ़ता से रक्षा करेगा। उनका यह बयान जनवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रंप के एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति पद की बागडोर संभालने से पहले आया है। शी ने बीजिंग में विश्व बैंक (डब्ल्यूबी), अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सहित 10 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के साथ की गई बैठक में कहा, ''शुल्क, व्यापार तथा प्रौद्योगिकी की लड़ाई आर्थिक कानूनों के विपरीत हैं और इनमें कोई भी विजयी नहीं होगा। चीनी राष्ट्रपति ने बैठक के दौरान अमेरिका के साथ संबंधों के लिए चीन के सिद्धांतों पर जोर दिया।

| 11-12-2024 सूर्यास्त 5:54 बजे | 12-12-2024 सूर्योदय 6:32 बजे |
|---|---|
| BSE 81,510.05 (+1.59) | NSE 24,610.05 (-8.95) |
| सोना 7,981 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 90,517 रु. प्रति किलो |

# मानवाधिकार के लिए नए खतरे हैं साइबर अपराध : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भारत आज एक ''उज्ज्वल उदाहरण'' बन गया है, जहां गरीबी उन्मूलन, वंचितों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराकर भूख मिटाने तथा युवाओं को अपने सपने साकार करने के लिए समान अवसर प्रदान करने के लिए ''सरकार द्वारा पहल की जा रही है।''**

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि मानवाधिकारों पर अब तक का विमर्श मानव पर केंद्रित रहा है जिसके तहत उल्लंघनकर्ता किसी व्यक्ति को माना जाता है, लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के हमारे दैनिक जीवन में प्रवेश करने से अब अपराधी कोई गैर-मानव या ''कोई लक्ष्य केंद्रित सॉफ्टवेयर'' हो सकता है।

मानवाधिकार दिवस पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि साइबर अपराध एवं जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए ''नए खतरे'' हैं। मानवाधिकार दिवस हर वर्ष 10 दिसंबर को मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूडीएचआर) के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिसे 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाया और घोषित किया गया था।

यूडीएचआर मानव अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक वैश्विक मानक के रूप में कार्य करता है।

भारत में संयुक्त राष्ट्र के राजनयिक मिशन के प्रमुख शोम्बी शार्प ने इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का संदेश पढ़ा।

स्क्रीन पर दिखाये गए गुतारेस के संदेश में कहा गया, ''मानवाधिकार दिवस पर, हम एक कठोर सच्चाई का सामना कर रहे हैं। मानवाधिकारों पर हमला हो रहा है। करोड़ों लोग गरीबी, भुखमरी, खराब स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणालियों में फंसे हुए हैं जो अभी तक कोविड-19 महामारी से पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं। वैश्विक असमानताएं बढ़ रही हैं। संघर्ष तेज हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून को जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है।''

संदेश में कहा गया है कि घृणास्पद बयानबाजी भेदभाव, विभाजन और हिंसा को बढ़ावा दे रही है।

मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा, ''यह उन संस्थाओं को याद करने का दिन है जो समाज के सबसे कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने का प्रयास करती हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, विभिन्न अन्य संस्थाएं, न्यायपालिका और अन्य प्रमुख हितधारकों ने बेजुबानों की आवाज बनने के लिए अथक प्रयास किया है। मैं सभी के लिए मानवाधिकार सुनिश्चित करने की दिशा में उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता और अथक परिश्रम के लिए उनकी सराहना करती हूं।''

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज एक ''उज्ज्वल उदाहरण'' बन गया है, जहां गरीबी उन्मूलन, वंचितों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराकर भूख मिटाने तथा युवाओं को अपने सपने साकार करने के लिए समान अवसर प्रदान करने के लिए ''सरकार द्वारा पहल की जा रही है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि भविष्य की ओर बढ़ने के साथ ही ''हमें उभरती चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। मानवाधिकारों के लिए साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन नए खतरे हैं।'' उन्होंने कहा कि डिजिटल युग परिवर्तनकारी होते हुए भी अपने साथ साइबर धमकी, डीपफेक, गोपनीयता संबंधी चिंताएं और गलत सूचना के प्रसार जैसे जटिल मुद्दे लेकर आया है।

# भारत-रूस की मित्रता सबसे ऊंचे पर्वत से भी ऊंची : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में कहा कि भारत-रूस की मित्रता ''सबसे ऊंचे पर्वत से भी ऊंची और सबसे गहरे महासागर से भी गहरी है।'' बैठक के बारे में भारत की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी में अपार संभावनाएं हैं और मिलकर किए जाने वाले प्रयास उल्लेखनीय परिणामों का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रे बेलौसोव के साथ 'सैन्य एवं सैन्य सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग' के 21वें सत्र की सह-अध्यक्षता करने के बाद पुतिन से मुलाकात की।

रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, ''बैठक के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि 'हमारे देशों के बीच मित्रता सबसे ऊंचे पर्वत से भी ऊंची और सबसे गहरे महासागर से भी गहरी है'।''

सिंह ने पुतिन से कहा कि भारत अपने रूसी मित्रों के साथ हमेशा खड़ा रहा है और वह भविष्य में भी ऐसा करता रहेगा। रक्षा मंत्री ने राष्ट्रपति पुतिन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

रक्षा मंत्री ने 'एक्स' पर लिखा कि मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करके खुशी हुई।

### शेष एस-400 मिसाइल प्रणालियों की आपूर्ति में तेजी लाने के लिए रूस पर बनाया दबाव

**नई दिल्ली/भाषा।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को मास्को में अपने रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव के साथ व्यापक वार्ता के दौरान, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली 'एस-400 ट्रायम्फ' की दो शेष इकाइयों की आपूर्ति में तेजी लाने का रूस पर दबाव बनाया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने देश के घरेलू रक्षा उद्योग की क्षमताओं को सभी क्षेत्रों और औद्योगिक सहयोग में विस्तारित करने के लिए भारत के दृढ़ संकल्प को व्यक्त किया।

## विरोध प्रदर्शन

पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर कथित हमलों के विरोध में मंगलवार को झारखंड और असम में विभिन्न संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। झारखंड की राजधानी रांची में विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा एक विरोध मार्च आयोजित किया या जो मोरहाबादी मैदान से शुरू हुआ और अल्बर्ट एक्का चौक सहित शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरते हुए राजभवन के पास समाप्त हुआ।

# बेंगलूरु के एक इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के मामले में उसकी पत्नी और उसके परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

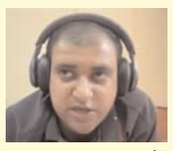

**बेंगलूरु/भाषा।** उत्तर प्रदेश निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर की आत्महत्या के मामले में मंगलवार को पत्नी और उसके परिजनों के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि बेंगलूरु में एक निजी कंपनी में काम करने वाले अतुल सुभाष ने सोमवार को आत्महत्या की। पुलिस के अनुसार सुभाष ने 24 पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा है जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी, उसके रिश्तेदारों और उत्तर प्रदेश की एक न्यायाधीश पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

उसने बताया कि यह (खुदकुशी की) घटना मराठाहल्ली पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंजूनाथ लेआउट में हुई।

# भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रयासरत केंद्र सरकार : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जयपुर/भाषा।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। उनके इस संकल्प को साकार करने तथा भारत की अर्थव्यवस्था को 5,000 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार कार्य कर रही है।

गडकरी मंगलवार को जेईसीसी में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत आयोजित 'इन्फ्रास्ट्रक्चर-एन इम्पोर्टेन्ट लिंक इन द सप्लाई चेन' सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विकास के लिए पानी, ऊर्जा, परिवहन और संचार मूलभूत आवश्यकताएं हैं। इन चारों क्षेत्रों को विकसित करने से देश-प्रदेश की प्रगति सुनिश्चित होगी।

इस अवसर पर गडकरी ने राजस्थान को कई सौगातें देते हुए 30 हजार करोड़ रुपये की लागत की 800 किमी. की नौ परियोजनाओं की घोषणा की।

गडकरी ने कहा, राजस्थान के आदिवासी जिलों से दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे के गुजरने से इन जिलों का तेजी से विकास होगा और इन क्षेत्रों की औद्योगिक क्षमता को खोलने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सड़क, रेलवे, हवाई अड्डे, सिंचाई परियोजना और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में हमारी डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से राज्य के बुनियादी ढांचे की तस्वीर बदल रही है।

### हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की 88 घटनाएं बांग्लादेश ने मानी

**ढाका/भाषा।** बांग्लादेश ने मंगलवार को स्वीकार किया कि अगस्त में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटाए जाने के बाद अल्पसंख्यकों, मुख्य रूप से हिंदुओं के खिलाफ सांप्रदायिक हिंसा की 88 घटनाएं हुईं। अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि इन घटनाओं में 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने यह खुलासा ऐसे समय किया है जब एक दिन पहले विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बांग्लादेशी नेतृत्व के साथ बैठक के दौरान अल्पसंख्यकों पर हमलों की अफसोसजनक घटनाओं को उठाया था और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कल्याण से संबंधित भारत की चिंताओं से अवगत कराया था। आलम ने संवाददाताओं को बताया कि पांच अगस्त से 22 अक्टूबर तक अल्पसंख्यकों से संबंधित घटनाओं में कुल 88 मामले दर्ज किए गए हैं।

# मोहम्मद अल बशीर बने सीरिया के अंतरिम प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**दमिश्क/एजेन्सी।** मोहम्मद अल-बशीर को मंगलवार को एक मार्च, 2025 तक संक्रमणकालीन सीरियाई सरकार का कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। दमिश्क में 12 दिनों तक चले बिजली के हमले से पहले श्री अल-बशीर ने विद्रोहियों के नेतृत्व वाली साल्वेशन सरकार चलाई थी।

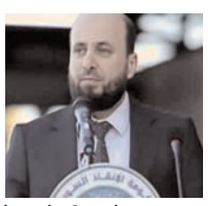

पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद को उखाड़ फेंकने के लिए 12 दिवसीय आक्रमण शुरू करने से पहले श्री बशीर पहले विद्रोहियों के कब्जे वाली एक छोटी सी जगह में प्रशासन चलाते थे। वह इस्लामी समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) की देखरेख वाली संस्था में थे। आने वाले संक्रमणकालीन प्रधानमंत्री ने साल्वेशन सरकार का भी नेतृत्व किया, जिसने केवल उत्तर-पश्चिमी सीरिया और इदलिब के कुछ हिस्सों पर शासन किया। जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है, हालांकि अधिकतर दुकानें और सार्वजनिक संस्थान बंद रहे। सड़कों पर कुछ लोग अब भी जश्न मना रहे हैं। यातायात फिर से शुरू हो गया, लेकिन कोई सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध नहीं है।

सीरिया में विद्रोही गुट यानी रिबेल ग्रुप ने सीरिया के कई शहरों पर कब्जा जमा लिया है। रिबेल ग्रुप ने सात दिसंबर को कहा कि उन्होंने उत्तरी और मध्य सीरिया के बाद इसके ज्यादातर दक्षिणी हिस्से पर भी कब्जा जमा लिया है।

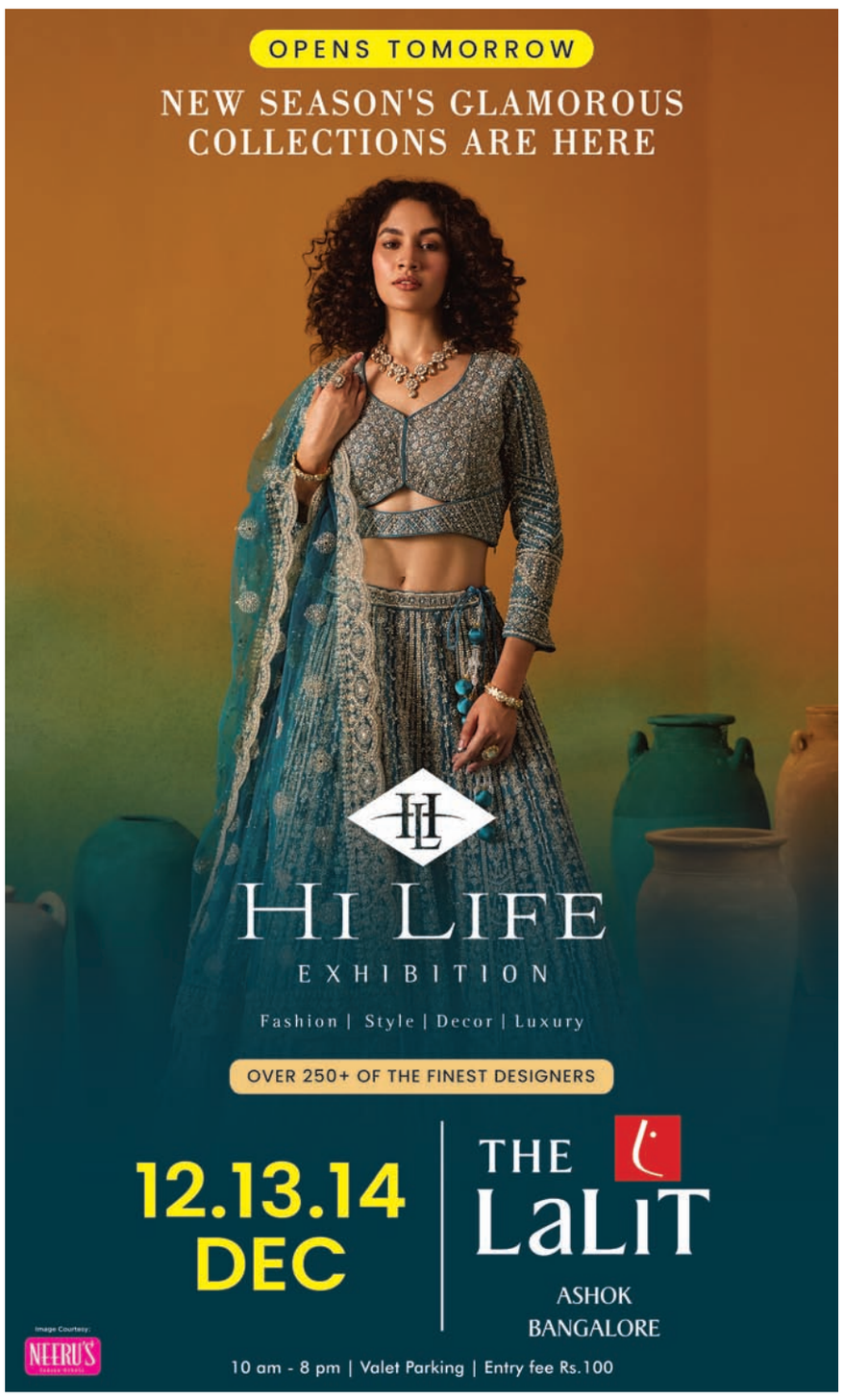

## धनखड़ को हटाने संबंधी प्रस्ताव के नोटिस का कोई वैध आधार नहीं: भाजपा सांसद दिनेश शर्मा

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने सदन की कार्यवाही बाधित करने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने संबंधी प्रस्ताव का नोटिस दिया है और उन्होंने कहा कि ऐसे नोटिस का कोई वैध आधार नहीं है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों ने राज्यसभा के सभापति धनखड़ को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस मंगलवार को राज्यसभा के महासचिव को सौंपा। विपक्ष का आरोप है कि धनखड़ द्वारा अत्यंत पक्षपातपूर्ण तरीके से राज्यसभा की कार्रवाई संचालित करने के कारण यह कदम उठाना पड़ा है। उपराष्ट्रपति, राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं। विपक्ष के कदम के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा, ''मुझे लगता है कि उन्हें संवैधानिक प्रक्रिया की समझ नहीं है। राज्यसभा के सभापति या उपसभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता।

## गूगल इंडिया सर्च में 2024 में आईपीएल, विश्व कप, चुनाव सबसे ऊपर

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत में गूगल सर्च में 2024 के दौरान खेल और राजनीतिक खोज सबसे ऊपर रहीं। एक गूगल ब्लॉग में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। इस दौरान आईपीएल, विश्व कप और चुनाव परिणाम प्रमुख रूप से ट्रेंडिंग टॉपिक में शामिल रहे। ब्लॉग के अनुसार, सर्च रुझानों में विभिन्न भाषाओं में खेल और मनोरंजन के विषय शामिल थे। इसके अलावा देशी संगीत, मीम्स और मजाकिया शब्द भी खोजे गए।

इंडियन प्रीमियर लीग, टी20 विश्व कप, ओलंपिक, प्रो कबड्डी लीग और इंडियन सुपर लीग ट्रेंडिंग सर्च सूची में शीर्ष पर थे। व्यक्तियों की बात करें तो शीर्ष दस ट्रेंडिंग सर्च में पांच खेल से थे। इनमें विनेश फोगट, हार्दिक पांड्या, शशांक सिंह, अभिषेक शर्मा और लक्ष्य सेन सबसे लोकप्रिय व्यक्ति बनकर उभरे। इसके अलावा, शीर्ष 10 रैंकिंग में चुनाव परिणाम 2024, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) शामिल थे। ब्लॉग के अनुसार, लोगों ने मौसम और स्वास्थ्य के बारे में भी सवाल और चिंताएं व्यक्त कीं। इस दौरान 'अत्यधिक गर्मी' और 'मेरे आसपास एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक)' जैसे विषय ट्रेंडिंग सर्च में शामिल थे।

## गोवा में रह रहे पाकिस्तानी मूल के व्यक्ति को 43 साल बाद मिली भारतीय नागरिकता

**पणजी/भाषा।** पाकिस्तान के कराची में जन्मे शेन सबेस्टियन परेरा को जन्म के सिर्फ चार महीने बाद ही माता-पिता भारत के गोवा में स्थित अपने पैतृक गांव ले आए थे, लेकिन परेरा को भारतीय नागरिकता हासिल करने में 43 साल लग गए। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत पाकिस्तान में जन्मे ईसाई व्यक्ति शेन सबेस्टियन परेरा को मंगलवार को भारतीय नागरिकता का प्रमाण पत्र सौंपा। गोवा में भारतीय नागरिकता का प्रमाण पत्र हासिल करने वाले शेन दूसरे व्यक्ति हैं। इससे पहले, अगस्त में जोसेफ फ्रांसिस परेरा नामक एक अन्य पाकिस्तानी नागरिक को भारतीय नागरिकता प्रदान की गई थी। मूल रूप से उत्तरी गोवा के अंजुना स्थित डेमेलो वाडो के निवासी शेन ने बताया कि उनके माता-पिता कराची चले गए थे, जहां अगस्त 1981 में उनका जन्म हुआ था। शेन के जन्म के चार महीने बाद उनका परिवार गोवा लौट आया, जहां उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की।

## विषाक्त भोजन खाने से एक बालिका की मौत, 34 अन्य बीमार हुए

**बीजापुर/भाषा।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सरकारी सहायता प्राप्त आवासीय विद्यालय में कथित तौर पर विषाक्त भोजन खाने से आठ वर्षीय बालिका की मौत हो गई तथा 34 अन्य बच्चे बीमार हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बीजापुर जिले के कलेक्टर संबित मिश्रा ने बताया कि धनोरा गांव में माता रुक्मणी आवासीय विद्यालय के कुछ विद्यार्थियों ने रविवार रात को बेचैनी और उल्टी की शिकायत की थी, जिसके बाद उन्हें सोमवार को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। उनके मुताबिक, बाद में 35 बीमार विद्यार्थियों को बीजापुर अस्पताल भेजा गया।

# वर्ष 2014 से शहरी क्षेत्र में निवेश में 16 गुना वृद्धि हुई : केंद्रीय मंत्री खट्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

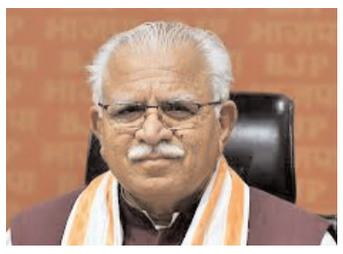

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को कहा कि 2014 के बाद से शहरी क्षेत्र में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने 2047 तक 'विकसित भारत' के नजरिये को साकार करने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया।

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री खट्टर ने अपने मंत्रालय की उपलब्धियों पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शहरी क्षेत्र में निवेश में 16 गुना वृद्धि हुई है, जो 2004 से 2014 के बीच लगभग 1,78,053 करोड़ रुपए से बढ़कर 2014 से अब तक 28,52,527 करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों में शहरी विकास योजनाओं का विस्तार किया गया है और उन्हें अधिक गति और दक्षता के साथ क्रियान्वित किया गया है। खट्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि शहरीकरण की तीव्र गति ने शहरी विकास को भारत की विकास रणनीति का एक प्रमुख स्तंभ बना दिया है।

मंत्री ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत 2004 से 2014 के बीच 66,837 करोड़ रुपए की परियोजनाएं मंजूर की गई थीं, लेकिन मोदी सरकार ने 2014 से अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) के तहत 2.73 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। खट्टर ने शहरी आवास और पीएमएवाई 2.0 के बारे में कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के दूसरे चरण के तहत एक नई किराया आवास श्रेणी पेश की गयी है, जिससे प्रवासी आबादी को लाभ होगा। इस योजना के अंतर्गत नियोजित एक करोड़ शहरी आवासों में से लगभग सात प्रतिशत के लिए अनंतिम मंजूरी जैसी नई पहल की गई है और इससे समय पर आवंटन सुनिश्चित होगा तथा प्रक्रिया में तेजी आएगी। उन्होंने बताया कि पीएमएवाई 2.0 के तहत 88.32 लाख घरों का निर्माण किया गया है। खट्टर ने कहा कि 25 शहरों में चल रही पायलट परियोजना के परिणामों के आधार पर शीघ्र ही संशोधित राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) शुरू किया जाएगा।

## स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए अलग नीति बनाने की सरकार से मांग

**नई दिल्ली/भाषा।** स्टेनलेस स्टील उद्योग के निकाय आईएसएसडीए ने सरकार से इस उद्योग के लिए अलग से एक नीति तैयार करने का आग्रह किया है। अभी तक स्टेनलेस स्टील क्षेत्र को घरेलू स्टील उद्योग का ही हिस्सा माना जाता है।

भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) के अध्यक्ष राजमणि कृष्णमूर्ति ने मंगलवार को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए एक अलग नीति के प्रस्ताव पर निकाय इस्पात मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा, ''आईएसएसडीए ने स्टेनलेस स्टील उद्योग के लिए एक अलग नीति के संबंध में सरकार को एक प्रस्तुति सौंपी है। मंत्रालय ने इसपर सकारात्मक रुख दिखाया है।

अलग नीति के संबंध में उद्योग के शीर्ष निकाय ने इस्पात मंत्रालय को दो-तीन मसौदे सौंपे हैं।

इस बीच, आईएसएसडीए ने एक बयान में कहा कि भारत में स्टेनलेस स्टील की खपत वित्त वर्ष 2022-23 के 40.2 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 44.6 लाख टन हो गई जो सालाना आधार पर 11 प्रतिशत अधिक है।

# सीयूईटी-यूजी: 12वीं के विषय की बाध्यता नहीं, अब विद्यार्थी किसी भी विषय की दे सकेंगे परीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष जगदीश कुमार ने कहा है कि 2025 से (विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा - स्नातक) सीयूईटी-यूजी केवल कंप्यूटर आधारित परीक्षा के तौर पर आयोजित की जाएगी तथा विद्यार्थी को किसी भी विषय में प्रवेश परीक्षा देने की इजाजत होगी, भले ही उन्होंने 12वीं में उस विषय की पढ़ाई न की हो। कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत के दौरान कहा कि आयोग द्वारा गठित की गयी विशेषज्ञों की एक समिति ने इस परीक्षा की समीक्षा की तथा कई बदलावों का प्रस्ताव दिया।

कुमार ने कहा, ''पिछले साल के 'हाइब्रिड मोड' (कंप्यूटर आधारित एवं उत्तर पुस्तिका वाली व्यवस्था) के विपरीत 2025 से माध्यम सीबीटी (कंप्यूटर आधारित परीक्षा) ही होगा। हमने विषयों की संख्या भी 63 से घटाकर 37 कर दी है तथा हटा दिये गये विषयों के लिए प्रवेश सामान्य योग्यता परीक्षण में मिले अंक के आधार पर दिये जायेंगे। उन्होंने कहा, ''प्रतिभागियों को सीयूईटी-यूजी में उन विषयों को चुनने की भी अनुमति दी जाएगी, जिसकी पढ़ाई उन्होंने 12वीं कक्षा में नहीं की, ताकि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में कठोर विषयात्मक सीमाओं को पार करने का अवसर मिल सके। परीक्षा के 2025 के संस्करण में किये गये बदलावों की व्याख्या करते हुए कुमार ने कहा कि विद्यार्थी अब छह के बजाय अधिकतम पांच विषयों में सीयूईटी -यूजी दे पायेंगे।

यूजीसी अध्यक्ष जगदीश कुमार ने कहा, '' इसी तरह, परीक्षा की अवधि, जो विषयों के हिसाब से 45 मिनट से 60 मिनट तक होती थी, अब 60 मिनट के रूप में मानकीकृत कर दी गई है। परीक्षा में वैकल्पिक प्रश्नों की अवधारणा भी समाप्त कर दी गयी है और अब सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे।

## सोरोस द्वारा वित्तपोषित फंड चलाने वालों से भाजपा की सांठगांठ: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस से जुड़े आरोपों को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पलटवार किया और आरोप लगाया कि सोरोस द्वारा वित्तपोषित फंड चलाने वाले कई लोगों के साथ भाजपा की सांठगांठ है। कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने यह सवाल भी किया कि जॉर्ज सोरोस अगर देश विरोधी गतिविधियां कर संचालित कर रहा है तो उसका धंधा-पानी हिंदुस्तान में क्यों चल रहा है?

मुख्य विपक्षी दल की नेता ने जिन उद्यमियों के नामों का उल्लेख किया उनकी तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का संबंध जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित एक संगठन से है, जिसने कश्मीर के एक स्वतंत्र राष्ट्र के विचार का समर्थन किया है।

सुप्रिया ने संवाददाताओं से कहा, ''जॉर्ज सोरोस का 1999 में हिंदुस्तान आना हुआ। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी जी देश के प्रधानमंत्री थे। उस समय सोरोस छात्रवृत्ति और फेलोशिप जैसी चीजें दिया करते थे। 2014 से जॉर्ज सोरोस ने अनुदान कार्यक्रम शुरू किया। उन्होंने कहा, ''जॉर्ज सोरोस की 'ओपन सोसायटी' के सोरोस इकॉनॉमिक डेवलपमेंट फंड (एसईडीएफ) के दो बड़े निवेश हैं जिनमें से एक 'अस्पाडा' है। अस्पाडा ने करीब नौ करोड़ डॉलर छोटे उद्योगों, किसानों और स्टार्टअप में निवेश किए हैं।

सुप्रिया ने दावा किया, ''अस्पाडा ने दो कंपनियों नियो ग्रोथ और कैपिटल फ्लोट में बड़ा निवेश किया। कैपिटल फ्लोट के संस्थापक गौरव हिंदुजा और शशांक ऋष्यशृंगा ने करीब 30 करोड़ डॉलर की फंडिंग 40 हजार छोटे उद्योगों, किसानों और स्टार्टअप में की है। उन्होंने कहा कि ये दोनों व्यक्ति गौरव हिंदुजा और शशांक ऋष्यशृंगा, नरेन्द्र मोदी जी के प्रबल समर्थक हैं, जो उनके साथ मंच साझा करते रहते हैं।

सुप्रिया ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के करीबी ये दोनों व्यक्ति जॉर्ज सोरोस के पैसे से पोषित फंड चलाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर जॉर्ज सोरोस देश विरोधी काम कर रहा है तो नरेन्द्र मोदी ऐसे व्यक्तियों के साथ मंच साझा क्यों कर रहे हैं?

## राहुल ने कांग्रेस सांसदों से कहा: सहयोगी दलों के नेताओं के बयान पर टिप्पणी से परहेज करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को अपनी पार्टी के सांसदों से कहा कि वे 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के नेताओं के बयानों पर टिप्पणी करने से परहेज करें क्योंकि अगर कोई मुद्दा है तो उसे पार्टी नेतृत्व देखेगा।

सूत्रों के अनुसार पार्टी के लोकसभा सदस्यों के साथ बैठक में राहुल गांधी ने यह भी कहा कि सांसदों को जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाते रहने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय की है जब विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के भीतर ही नेतृत्व को लेकर कुछ नेताओं ने बयान दिए हैं।

सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने कांग्रेस के लोकसभा सदस्यों से कहा कि वे सहयोगी दलों के छोटे और मध्य स्तर के नेताओं के बयानों पर टिप्पणी नहीं करें।

शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने मंगलवार को संकेत दिया कि उनकी पार्टी इस बात पर चर्चा करने के लिए तैयार है कि क्या कांग्रेस के बाहर किसी को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का नेतृत्व करना चाहिए।

इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेताओं ने भी अपनी नेता ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व देने की पैरवी की थी।

# हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बस खाई में गिरी, तीन व्यक्तियों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**शिमला/भाषा।** हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में मंगलवार को एक निजी बस के खाई में गिर जाने से तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि 15 अन्य घायल हो गए। बस में 30 से अधिक यात्री सवार थे। यह जानकारी पुलिस ने दी।

पुलिस ने बताया कि करसोग से कुल्लू के आनी जा रही बस शावाद गांव के नजदीक खाई में गिर गई। इसमें चालक सहित तीन लोगों की मौत हो गई। आनी अनुमंडल कुल्लू और शिमला जिला की सीमा पर स्थित है। पुलिस और स्थानीय लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया।

अधिकारियों ने बताया कि हादसे में घायल 15 यात्रियों में 11 की हालत गंभीर हैं और उन्हें शिमला के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल ले जाया गया, जबकि अन्य को रामपुर अस्पताल भेजा गया।

अधिकारियों ने बताया कि बस पहाड़ी से लगभग 120 मीटर नीचे खाई में गिरी और पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान मंडी निवासी बस चालक दीनानाथ, कुल्लू निवासी केशव राम और गुलशन के रूप में हुई है।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है और जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने तथा घायलों को उचित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

## पीएम-किसान से एससी-एसटी के दो करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हुए

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने मंगलवार को संसद को बताया कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 2.04 करोड़ से अधिक किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के लाभार्थी रहे हैं।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि फरवरी 2019 में योजना के शुरू होने के बाद से केंद्र सरकार ने 18 किस्तों में किसानों को 3.46 लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि का वितरण किया है। योजना की नवीनतम, 18वीं किस्त 9.58 करोड़ लाभार्थियों को जारी की गई, जिसमें अनुसूचित जाति के 1.16 करोड़ किसान, अनुसूचित जनजाति के 88.34 लाख किसान और 'अन्य' श्रेणी के 7.54 करोड़ किसान लाभान्वित हुए। किसानों को शामिल करने में संभावित बाधाओं के संदर्भ में कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार ने विशेष रूप से भूमि स्वामित्व दस्तावेजीकरण चुनौतियों का सामना कर रहे एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों के लिए निर्बाध पंजीकरण सुनिश्चित करने के वास्ते कई उपाय लागू किए हैं।

# पारिस्थितिकीविद् माधव गाडगिल को मिला संयुक्त राष्ट्र का शीर्ष पर्यावरण सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

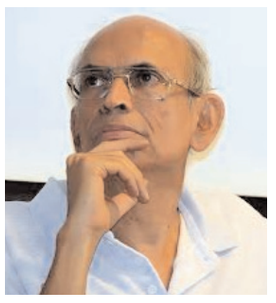

**नई दिल्ली/भाषा।** संयुक्त राष्ट्र ने पारिस्थितिकीविद् माधव गाडगिल को वैश्विक जैव विविधता के केंद्र पश्चिमी घाट में उनके मौलिक कार्य के लिए वार्षिक 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ' पुरस्कार से मंगलवार को सम्मानित किया। यह संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान है।

इस वर्ष सम्मानित होने वालों की सूची में गाडगिल एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने भारत के पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र पर जनसंख्या दबाव, जलवायु परिवर्तन और विकास गतिविधियों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सरकार द्वारा गठित पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता की थी।

समिति ने 2011 में सिफारिश की थी कि पूरी पहाड़ी शृंखला को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ईएसए) घोषित किया जाए तथा पर्यावरणीय संवेदनशीलता के आधार पर क्षेत्र को तीन श्रेणियों (ईएसजेड एक, दो और तीन) में विभाजित किया जाए। गाडगिल ने 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में कहा कि उन्हें खुशी है कि वह सही बात के पक्ष में खड़े हुए।

प्रकृति वैज्ञानी 82 वर्षीय गाडगिल ने कहा, ''ऐसे बहुत कम लोग हैं जो पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ समिति की आधिकारिक रिपोर्ट की तरह ऐसी ईमानदार रिपोर्ट लिखेंगे, जो बहुत ठोस तथ्य प्रदान करती हो और एक स्पष्ट तस्वीर सामने लाती हो। यह लोगों के लिए उपलब्ध है ताकि वे इसे देख सकें, मुद्दों को समझ सकें और कम से कम कुछ अच्छी, ईमानदार चर्चा में शामिल हो सकें। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात को लेकर निश्चित रूप से खुश हो सकता हूं कि मैं खड़ा हुआ और मैंने ऐसी रिपोर्ट लिखी जिसे कोई नहीं लिखता।

## धोखाधड़ी के मामले में दिल्ली की अदालत ने अभिनेता धर्मेंद्र को तलब किया

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली की एक अदालत ने गरम धरम ढाबा फ्रेंचाइजी से संबंधित धोखाधड़ी के एक मामले में फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र और दो अन्य को तलब किया है। शिकायतकर्ता के वकील ने यह जानकारी दी।

वकील डी. डी. पांडे ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट यशदीप चहल ने दिल्ली के व्यवसायी सुशील कुमार की शिकायत पर 89 वर्षीय अभिनेता के खिलाफ यह आदेश पारित किया। सुशील कुमार ने आरोप लगाया था कि उन्हें फ्रेंचाइजी में निवेश का प्रलोभन दिया गया था। न्यायाधीश ने पांच दिसंबर को पारित आदेश में कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य प्रथम दृष्टया संकेत देते हैं कि आरोपी व्यक्तियों ने अपनी साझा मंशा के तहत शिकायतकर्ता को निवेश के लिए प्रेरित किया। अदालत ने कहा कि साक्ष्यों से धोखाधड़ी के अपराध का खुलासा होता है। न्यायाधीश ने कहा कि प्रथम दृष्टया अभिनेता और सह आरोपी दीपक भारश्रे व उमंग तिवारी के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र का मामला प्रतीत होता है। न्यायाधीश ने आरोपियों को 20 फरवरी 2025 को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया।

# मेरे कार्यकाल में वित्त मंत्रालय-आरबीआई के बीच रिश्ते 'सबसे अच्छे' रहे: दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

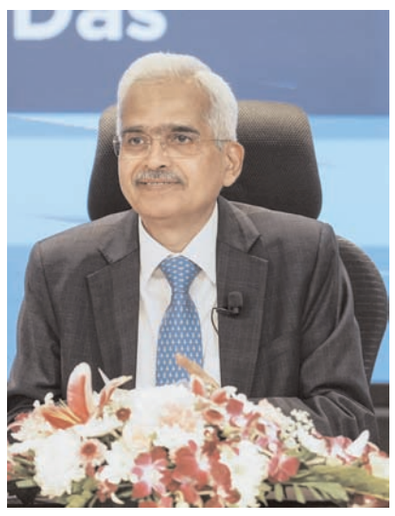

**मुंबई/भाषा।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निवर्तमान गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने संस्थान को अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और उनके छह साल के कार्यकाल में आरबीआई और वित्त मंत्रालय के बीच संबंध 'सबसे अच्छे' रहे।

दास ने मंगलवार को अपने कार्यकाल के आखिरी दिन संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कई मुद्दों पर केंद्रीय बैंक और वित्त मंत्रालय का 'नजरिया' अलग-अलग हो सकता है और यह चीज दुनियाभर में देखी जाती है।

नौकरशाह से केंद्रीय बैंक के गवर्नर बने दास ने कहा, ''...मुझे लगता है कि मेरे कार्यकाल में हम आंतरिक चर्चा के माध्यम से सभी मुद्दों को हल करने में सक्षम रहे। दास ने कहा, ''मुझे लगता है कि सरकार और विशेष रूप से वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक के बीच संबंध... अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर है। हमारे बीच सहयोग और समन्वय शानदार था। दास ने आर्थिक मामलों के विभाग में सचिव के रूप में कार्य किया था। 2016 में नोटबंदी में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उन्हें उर्जित पटेल के अचानक इस्तीफे के बाद 2018 में आरबीआई गवर्नर के रूप में नियुक्त किया गया था।

दास ने कहा कि जब भी कोई गवर्नर पद ग्रहण करता है, तो वह चीजों को 'व्यापक अर्थव्यवस्था' के नजरिये से देखता है। वह केंद्रीय बैंक में मिली जिम्मेदारी के साथ काम करता है कि आरबीआई के लिए सबसे अच्छा क्या है और वह उसे कैसे पूरा कर सकता है। उन्होंने कहा, ''यह आपकी जिम्मेदारी है, यह आपको मिली जवाबदेही है...क्योंकि आप एक विशेष पद पर हैं। साथ ही, अर्थव्यवस्था की आवश्यकताएं भी हैं। मुझे लगता है कि दोनों को ध्यान में रखकर ही गवर्नर कोई निर्णय करता है।

## महाराष्ट्र के बीड में सरपंच का अपहरण कर हत्या, दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**छत्रपति संबाजीनगर/भाषा।** महाराष्ट्र के बीड जिले में रंजिश के चलते कुछ लोगों ने एक ग्राम सरपंच का कथित तौर पर अपहरण कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सोमवार को केज इलाके में हुई इस घटना के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का सोमवार दोपहर करीब तीन बजे बीड के दोनगांव फाटा गांव के पास स्थित एक टोल प्लाजा से अपहरण कर लिया गया। प्राथमिकी के अनुसार जब कार सवार सरपंच और उनके चचेरे भाई शिवराज देशमुख टोल प्लाजा पार कर रहे थे, तभी काले रंग की कार में सवार छह व्यक्ति वहां पहुंचे। इसके बाद छह लोगों में से एक ने सरपंच की कार की ड्राइवर के तरफ वाली खिड़की तोड़ दी। प्राथमिकी में कहा गया है कि एक अन्य व्यक्ति सह-चालक की सीट की तरफ आया तथा संतोष देशमुख को वाहन से बाहर खींच लिया।

# कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस.एम. कृष्णा का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व विदेश मंत्री एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस.एम. कृष्णा का सोमवार को देर रात उनके आवास पर निधन हो गया। उनके परिवार के एक सूत्र ने बताया कि वरिष्ठ राजनेता एस.एम. कृष्णा (92) कुछ समय से बीमार थे। सूत्र ने बताया, ''एस.एम. कृष्णा अब नहीं रहे। उन्होंने अपने आवास पर रात दो बजकर 45 मिनट पर अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को आज मद्दुर ले जाए जाने की संभावना है।'' सोमनहल्ली मल्लैया कृष्णा के परिवार में उनकी पत्नी प्रेमा और दो बेटियां शांभवी एवं मालविका हैं। कर्नाटक के मांड्या जिले के सोमनहल्ली में एक मई, 1932 को जन्मे कृष्णा ने 1962 में मद्दुर विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल कर अपने राजनीतिक 'करियर' की शुरुआत की थी। कांग्रेस में शामिल होने से पहले वह प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से जुड़े थे। बाद में मार्च 2017 में वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए और कांग्रेस के साथ उनके करीब 50 साल पुराने संबंध टूट गए। कृष्णा ने पिछले वर्ष जनवरी में अपनी बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की थी। वह 11 अक्टूबर, 1999 से 28 मई, 2004 तक कर्नाटक के 16वें मुख्यमंत्री रहे। उस समय वह कांग्रेस में थे। उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया और 2009 से 2012 तक मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान विदेश मंत्री रहे। उन्होंने मैसूरू के महाराजा कॉलेज से स्नातक की उपाधि ली तथा यहीं के सरकारी 'लॉ कॉलेज' से कानून की डिग्री प्राप्त की। विधि में स्नातक कृष्णा ने पहले अमेरिका के टेक्सास स्थित साउदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी, डलास में और बाद में वाशिंगटन डीसी स्थित जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल में अध्ययन किया, जहां वे 'फुलब्राइट स्कॉलर' (अमेरिका का अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रमुख कार्यक्रम) थे।

कृष्णा, दिसंबर 1989 से जनवरी 1993 तक कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष रहे। वह 1971 से 2014 के बीच कई बार लोकसभा तथा राज्यसभा के सदस्य भी चुने गए। कृष्णा, कर्नाटक विधानसभा तथा विधान परिषद दोनों के सदस्य रहे और 1993 से 1994 तक उन्होंने उपमुख्यमंत्री के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली थी। कर्नाटक में 1999 के विधानसभा चुनावों से पहले वह प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष थे। इस चुनाव में कांग्रेस की जीत हुई और वह मुख्यमंत्री बने। कृष्णा को कई लोग बेंगलुरु को वैश्विक मानचित्र पर लाने का श्रेय देते हैं। उनके कार्यकाल के दौरान कर्नाटक में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र को बढ़ावा मिला और बेंगलुरु, भारत की 'सिलिकॉन वैली' के रूप में विकसित हुआ। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कृष्णा के निधन पर दुख व्यक्त किया।

कृष्णा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने 'एक्स' पर कहा, ''केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और नेता के रूप में उनके अद्वितीय योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी है। कर्नाटक हमेशा उनका ऋणी रहेगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''कांग्रेस पार्टी में मेरे शुरुआती दिनों के दौरान कृष्णा मेरे मार्गदर्शक और संरक्षक थे तथा वे हमेशा मेरे शुभचिंतक रहे।'' भाजपा नेता व पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा ने कहा, ''पूर्व मुख्यमंत्री और प्रिय मित्र एस. एम. कृष्णा के निधन से अत्यंत दुःखी हूं। देश और कर्नाटक के प्रति उनका योगदान हमेशा याद रहेगा।' एच. डी. कुमारस्वामी ने कृष्णा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए 'एक्स' पोस्ट में कहा, ''व्यक्तिगत रूप से, उनके निधन से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।''

## तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की

कर्नाटक सरकार ने वरिष्ठ राजनेता और पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा के निधन पर तीन दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है। कृष्णा का मंगलवार सुबह बेंगलुरु में उनके आवास पर निधन हो गया। परिवार के एक सूत्र ने बताया कि 92 वर्षीय वरिष्ठ राजनेता लंबे समय से बीमार थे। कृष्णा का अंतिम संस्कार बुधवार को उनके पैतृक जिले मांड्या में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि 10 से 12 दिसंबर तक तीन दिवसीय राजकीय शोक रहेगा। इस अवधि के दौरान कोई भी आधिकारिक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होगा और सभी सरकारी भवनों में राष्ट्र ध्वज आधा झुका रहेगा।

# प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने एस एम कृष्णा के निधन पर शोक जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा विभिन्न नेताओं ने मंगलवार को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा के निधन पर शोक जताया। कृष्णा का मंगलवार तड़के पौने तीन बजे बेंगलूरु में उनके आवास पर निधन हो गया। परिवार के एक सूत्र ने बताया कि वह लंबे समय से बीमार थे। वह 92 वर्ष के थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कृष्णा के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि वह एक असाधारण नेता थे, जिनका सभी क्षेत्रों के लोग सम्मान करते थे।

सौम्य, परिष्कृत और गहरी अकादमिक साख रखने वाले व्यक्ति एसएम कृष्णा ने 1962 में मद्दूर से एक स्वतंत्र विधायक के रूप में अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की और चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के तत्कालीन दिग्गज नेताओं को चौंका दिया। बाद में वह राज्य के मुख्यमंत्री और देश के विदेश मंत्री बने। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रहे कृष्णा के सम्मान में कर्नाटक सरकार ने तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को मांड्या जिले में उनके पैतृक गांव में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि राजकीय शोक 10 से 12 दिसंबर तक है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उनके कैबिनेट सहयोगियों एस जयशंकर, निर्मला सीतारमण और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य नेताओं ने कृष्णा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, एस एम कृष्णा जी एक असाधारण नेता थे, जिनकी प्रशंसा सभी क्षेत्रों के लोग करते थे।

उन्होंने हमेशा दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अथक प्रयास किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री कृष्णा के निधन पर दुख जताया और राज्य एवं बेंगलूरु के विकास में उनके योगदान को याद किया।

खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री एस एम कृष्णा के निधन से अत्यंत दुख हुआ। विकास के सच्चे पैरोकार रहे कृष्णा ने राज्य और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है, क्योंकि हमने राज्य स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगियों के रूप में काम किया।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, एस.एम. कृष्णा के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। उनके दशकों के काम ने कर्नाटक के विकास और बेंगलूरु को प्रौद्योगिकी के एक केंद्र के रूप में बदलने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रियजन के साथ हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कृष्णा के निधन पर दुख जताया और उनके साथ अपनी पुरानी यादों को साझा किया।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्व केंद्रीय मंत्री और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस.एम. कृष्णा के साथ लंबे जुड़ाव की कई यादें हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल बहुत प्रभावशाली था और उन्होंने राज्य में आईटी, बायोटेक और अन्य उद्योगों के विकास में बहुत योगदान दिया। मार्च 2000 का उनका बजट भाषण कई मायनों में खास था।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा के निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि कर्नाटक के विकास में एवं विदेश मंत्री के रूप में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्व विदेश मंत्री एस एम कृष्णा के निधन से बहुत दुखी हूं।

कृष्णा के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए जयशंकर ने विदेश मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उनके साथ हुई कई मुलाकातों को याद किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कृष्णा के निधन पर शोक जताया और कहा कि उन्होंने सार्वजनिक सेवा की समृद्ध विरासत छोड़ी है।

सीतारमण ने कृष्णा के परिवार और प्रियजनों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त कीं। पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) संरक्षक एच.डी. देवेगौड़ा ने कृष्णा के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए उन्हें अपना मित्र और कर्नाटक में पुराना सहयोगी बताया।

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कृष्णा के निधन पर दुख जताया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कर्नाटक और देश के विकास में कृष्णा का योगदान अविस्मरणीय है। कृष्णा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर कहा, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और नेता के रूप में उनके अद्वितीय योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी है। कर्नाटक हमेशा उनका ऋणी रहेगा, खासकर मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बदलाव लाने में उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी कृष्णा के निधन पर दुख व्यक्त किया और उन्हें एक दूरदर्शी नेता बताया जो विकास के लिए प्रतिबद्ध थे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कृष्णा के निधन पर शोक व्यक्त किया। नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा के निधन के बारे में सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। हमारी दोस्ती, हमारे संबंधित राज्यों में निवेश आकर्षित करने की प्रतिस्पर्धात्मक भावना से परे थी।

कृष्णा टेनिस के भी शौकीन थे। कॉलेज के दिनों में टेनिस प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले कृष्णा ने 1999 से 2020 तक कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन (केएसएलटीए) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। केएसएलटीए ने कहा कि इस अवधि में कर्नाटक में खेल का चेहरा बदल गया।

उनके नेतृत्व में केएसएलटीए अंतरराष्ट्रीय टेनिस को अन्य जिलों में ले जाने में समर्थ हुआ जिसकी शुरुआत 2002 में गुलबर्गा से हुई थी। यह तुमकुर, दावणगेरे, चिक्कमगलूर, धारवाड़ आदि तक पहुंचा। राज्य संघ अब कर्नाटक के 12 जिलों में अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट की मेजबानी करने में सक्षम है। कृष्णा के परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियां- मालविका कृष्णा और शांभवी कृष्णा हैं।

## सिद्दरामय्या ने वायनाड में भूस्खलन के बाद आवासों के लिए जमीन खरीदने की पेशकश की

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन को पत्र लिखकर कहा है कि उनकी सरकार वायनाड में विनाशकारी भूस्खलन से प्रभावित परिवारों के लिए आवासों का निर्माण करने के लिए जमीन खरीदने को तैयार है। सिद्दरामय्या ने नौ दिसंबर को लिखे अपने पत्र में प्रभावित परिवारों की मदद के लिए 100 आवासों को दान करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। गत जुलाई माह में घटी भूस्खलन की घटना के बाद सिद्दरामय्या के वायनाड दौरे के समय यह घोषणा की गई थी। सिद्दरामय्या ने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल का उद्देश्य उन लोगों के लिए एक सुरक्षित और स्थिर वातावरण प्रदान करना है जिन्होंने अपने घर, आजीविका और प्रियजनों को इस आपदा में खो दिया।

उन्होंने कहा कि आगे के समन्वय के लिए घोषणा को केरल के मुख्य सचिव को सूचित किया गया था। हालांकि, उन्होंने परियोजना को लागू करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देशों या निर्देशों के बारे में केरल सरकार की ओर से पत्राचार की कमी पर चिंता व्यक्त की, जिससे प्रगति में देरी हुई है। सिद्दरामय्या ने लिखा, इस पहल के लिए मैं बताना चाहता हूं कि मेरी सरकार आवास निर्माण के लिए आवश्यक भूमि खरीदने को तैयार है ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द राहत मिले।

## कर्नाटक के विकास में एस एम कृष्णा के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा : जयशंकर

बेंगलूरु। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा के निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि (मुख्यमंत्री के रूप में) कर्नाटक के विकास में एवं विदेश मंत्री के रूप में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पूर्व विदेश मंत्री एस एम कृष्णा के निधन से बहुत दुखी हूं।'' कृष्णा के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए जयशंकर ने विदेश मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उनके साथ हुई कई मुलाकातों को याद किया। उन्होंने कहा, '' (मुख्यमंत्री के रूप में) कर्नाटक के विकास में और विदेश मंत्री के रूप में कृष्णा के योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

# बेलगावी में पंचमसाली समुदाय का विरोध प्रदर्शन हिंसक होने पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी में पंचमसाली लिंगायतों द्वारा किया जा रहा विरोध प्रदर्शन मंगलवार को हिंसक हो गया जिसके बाद पुलिस ने कथित तौर पर लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधकों को तोड़कर सुवर्ण विधान सौध की घेराबंदी कर ली, जहां कर्नाटक विधानसभा का सत्र चल रहा है। आंदोलन का नेतृत्व बसव जयमृत्युंजय स्वामी ने किया था।

जयमृत्युंजय स्वामी पंचमसाली समुदाय को 2ए श्रेणी में शामिल करने की मांग कर रहे हैं, जिससे उन्हें (पंचमसाली समुदाय) सरकारी नौकरियों और सरकारी संस्थानों में प्रवेश में 15 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। वर्तमान में समुदाय 3बी श्रेणी में है और उसे पांच प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है।

गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने सरकारी वाहनों के अलावा विधायकों और विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) के वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। स्थिति को काबू से बाहर होता देख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) आर. हितेंद्र ने लाठीचार्ज का आदेश दिया। पुलिस के लाठीचार्ज के बाद प्रदर्शनकारी तितर-बितर होने लगे। इस दौरान, कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए, जिन्हें बाद में अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को एहतियातन हिरासत में ले लिया।

# केरल की महिला रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में फंसे अपने पति को स्वदेश लाने की लगा रही गुहार

त्रिशूर। त्रिशूर के इलेक्ट्रीशियन बिनिल टी.बी. सात महीने पहले रूस चले गए थे, उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें बेहतर नौकरी और ज्यादा वेतन मिलेगा। उस समय उनकी पत्नी अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही थी। अब बिनिल रूस-यूक्रेन के युद्धक्षेत्र में फंस गए हैं और पत्नी उन्हें स्वदेश लाए जाने की गुहार लगा रही है।

बिनिल के रिश्तेदारों ने बताया कि यूक्रेन के युद्धग्रस्त क्षेत्र, जो अब रूस के नियंत्रण में है, में कहीं फंसे बिनिल और उनके रिश्तेदार जैन टी.के. के मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान खो गया है जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। उन्होंने बताया कि वे दोनों स्वदेश वापसी के लिए अधिकारियों से मदद मांग रहे हैं। त्रिशूर जिले के वडक्कनचेरी के पास कुरनचेरी की निवासी और बिनिल की पत्नी जोइसी जॉन उन्हें घर वापस लाने के प्रयास में अधिकारियों से गुहार लगा रही हैं। चार महीने के बच्चे की मां जोइसी सोमवार को बिनिल का आखिरी ऑडियो संदेश प्राप्त करने के बाद चिंतित हैं।

संदेश में, बिनिल ने खुलासा किया कि रूसी अधिकारियों ने उन्हें और उनके रिश्तेदार जैन को युद्ध के मोर्चे पर जाने का आदेश दिया था। बिनिल के इस समय हवाई हमलों वाले क्षेत्र में होने की खबरों के साथ परिवार की चिंताएं और भी बढ़ गई हैं। जोइसी ने अपने पति और रिश्तेदार की युद्ध क्षेत्र से जल्द वापसी सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार, केंद्रीय मंत्री एवं त्रिशूर के सांसद सुरेश गोपी, राज्य के अन्य सभी सांसदों और मॉस्को में भारतीय दूतावास से संपर्क किया है।

जोइसी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''दूतावास के अधिकारियों ने कहा है कि वे रूसी अधिकारियों के संदेश का इंतजार कर रहे हैं।'' बिनिल (32) और जैन (27) आईटीआई मैकेनिकल डिप्लोमा धारक हैं और चार अप्रैल को वह रूस में इलेक्ट्रीशियन और प्लंबर के रूप में काम करने की आस में गए थे।

## मद्रास उच्च न्यायालय का मेडिकल छात्रा की ट्यूशन फीस पर एनआईए के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है, जिसके आधार पर यहां एक निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली मेडिकल छात्रा को दी जाने वाली ट्यूशन फीस की राशि को 'फ्रीज' कर दिया गया था। एनआईए ने दावा किया था कि ट्यूशन फीस झारखंड में सक्रिय एक माओवादी संगठन द्वारा दी गई थी। न्यायमूर्ति एस. एम. सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति एम. ज्योतिरामन की खंडपीठ ने एनआईए के आदेश को चुनौती देने वाली छात्रा की याचिका को खारिज कर दिया।

सोमवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया तो मेडिकल छात्रा की ओर से दलील दी गई कि कॉलेज प्रशासन याचिकाकर्ता को प्रमाण पत्र जारी करने से इनकार कर रहा है, क्योंकि ट्यूशन फीस पर रोक लगा दी गई है और एनआईए ने उसे इस मामले में पेश होने के लिए बुलाया है। दलीलें स्वीकार करने से इनकार करते हुए पीठ ने कहा कि वह एनआईए द्वारा पारित आदेश में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

## अदाणी से मैं कभी नहीं मिला : स्टालिन

चेन्नइ। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने उद्योगपति गौतम अदाणी से कभी मुलाकात नहीं की और जानना चाहा कि क्या भाजपा और उसकी सहयोगी पीएमके अदाणी मुद्दे पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराये जाने के लिए तैयार हैं। विधानसभा में पीएमके नेता जी.के. मणि द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए स्टालिन ने कहा कि उनका उस उद्योगपति से कोई संबंध नहीं है, जिनके बारे में पीएमके और भाजपा यह 'दुष्प्रचार' अभियान चला रही कि मुख्यमंत्री का उनसे संबंध है।

स्टालिन ने मणि की ओर इशारा करते हुए पूछा, बिजली मंत्री सेंथिल बालाजी पहले ही विस्तृत तरीके से बता चुके हैं। मेरा और अदाणी का कोई संबंध नहीं है। क्या आप इस मुद्दे पर जेपीसी जांच के लिए तैयार हैं? कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दल रिश्वतखोरी के आरोपों में अदाणी और उनकी कंपनी के अन्य अधिकारियों पर अमेरिकी अदालत में अभियोग लगाए जाने के बाद जेपीसी जांच की मांग कर रहे हैं। कार्यवाही शुरू होने पर, विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावु ने मणि को यह मुद्दा उठाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया क्योंकि यह मुद्दा पहले से ही संसद में उठाया जा रहा है।

# राजस्थानी जहां गए हैं वहां की आर्थिक स्थिति में सुधार का अच्छा कार्य किया : हरिभाऊ बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि राजस्थानी जहां जहां जाकर बसे हैं वहां की अर्थव्यवथा में सुधार किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आठ करोड़ की जनसंख्या बताई जा रही है। इसके अलावा भी दो ढाई करोड़ बाहर प्रवास करते हैं। इन सबको मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा हक से बुलाकर राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित करें। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों पर राजस्थान का अधिकार है। वे यहां आएं और मातृभूमि का ऋण चुकाने के लिए निवेश करें। उन्होंने कहा कि हमारे महाराष्ट्र में कहावत है, जहां न पहुंचें बैलगाड़ी वहां पहुंचे मारवाड़ी। राजस्थानी जहां गए हैं वहां अच्छा कार्य किया। लगन और परिश्रम से अपना स्थान बनाया है। राज्यपाल बागड़े मंगलवार को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की प्रवासी राजस्थानी कॉन्क्लेव में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने देशभर की अर्थव्यवथा में महती भूमिका निभाई हैं। अब समय राजस्थान को विकसित करने का है।

राज्यपाल ने कहा कि दुग्ध क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी है। इस क्षेत्र में और विकास की आवश्यकता है। उन्होंने राजस्थान में निवेश करने बालों को विश्वास दिलाया कि यहां आएंगे तो राज्य सरकार हर संभव सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बारिश के पानी को रोके जाने पर अधिक से अधिक कार्य हो। इस समय प्रदेश में एक ही फसल ली जाती है। बारिश के पानी को सहेज कर प्रयास करें कि दो फसल यहां हो।

राज्यपाल ने आह्वान किया कि आदिवासी क्षेत्रों में लोगों को काम दें। पिछड़े क्षेत्रों में कारखाने खोले और गरीब, किसान और घुमंतुओं की आर्थिक स्थिति में सुधार में प्रवासी भागीदारी बने। उन्होंने कहा कि राजस्थान में गौ धन संरक्षण के लिए अच्छा कार्य होता है। गौशालाओं में गायों के लिए किए जा रहे कार्यों की भी उन्होंने सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा पहल कर निवेश प्रोत्साहन लिए किए जा रहे विशेष प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया और निवेश नीति की सराहना की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश दुनिया में प्रवासी राजस्थानियों की मेहनत, कर्मठता और लगन से राजस्थान गौरवान्वित हुआ है। हमारी सरकार ने यह निर्णय लिया है कि प्रवासी राजस्थानियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए एक विशेष विभाग बनाया जाएगा। साथ ही, 10 दिसंबर को हर वर्ष प्रवासी राजस्थानी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य में पहली बार हर साल प्रवासी राजस्थानी सम्मान देने का निर्णय लिया है। प्रवासी राजस्थानियों के परिवारों को किसी तरह की समस्या आती है, तो इसके लिए हर जिले में सिंगल प्वाइंट कॉन्टेक्ट बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हाईवे का तीसरा एवं रेलवे का पांचवां सबसे बड़ा नेटवर्क, सात प्रमुख हवाई अड्डे और दिल्ली-मुंबई फ्रेट कॉरिडोर राजस्थान को परिवहन के लिए अत्यंत सुविधाजनक स्थान बनाते हैं। भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान अब बड़े अवसरों की भूमि बन रहा है। उन्होंने कहा कि हम अगले 5 साल में राज्य की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर करने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा में अग्रणी है तथा सौर एवं पवन ऊर्जा उत्पादन की भी यहां अनुकूल स्थितियां हैं।

शर्मा ने राजस्थान में अपार संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि यहां का हर कोना, अपनी समृद्ध धरोहर, प्रकृति, संस्कृति और विविधताओं का दर्शन करवाता है। यहां वाइल्ड लाइफ, वेलनेस, वेडिंग एवं धार्मिक पर्यटन के बढ़ने के कारण होटलों की मांग तेजी से बढ़ रही है। राजस्थान में प्रतिवर्ष देश-विदेश से करोड़ों पर्यटक आते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में खनन क्षेत्र में भी असीमित संभावनाएं हैं। हमने हाल ही में राजस्थान खनिज नीति-2024 एवं राजस्थान एम-सैण्ड पॉलिसी-2024 लॉन्च की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग, वस्त्र, चिकित्सा उपकरण, रक्षा उपकरण, खाद्य प्रसंस्करण, डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में भी निवेश के लिए बेहतरीन अवसर हैं।

शर्मा ने कहा कि हमने निवेशकों के लिए एक ऐसा माहौल तैयार किया है, जहां उन्हें हर संभव सुविधाएं मिलेंगी। हमने निवेश के लिए सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाया है तथा उद्योगों में नवाचारों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि निवेशकों के लिए 10 नई नीतियां बनाने के साथ ही राज निवेश पोर्टल से समयबद्ध मंजूरी भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से अपील की है कि वे राज्य के विकास में भागीदार बनें तथा अपनी मातृभूमि में निवेश कर अपनी आने वाली पीढ़ी के जुड़ाव को मजबूत करें।

सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर ने कहा कि राजस्थान का व्यक्ति विश्व भर में अपने कठिन परिश्रम के लिए जाना जाता है राजस्थानी देश के किसी भी राज्य में गया हो अथवा विदेश में उसने, हर जगह अपना नाम कमाया है। साथ ही वह अपनी जन्मभूमि को कभी नहीं भूले हैं। उन्होंने कहा कि गत 10 सालों में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अब भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है तथा विश्व गुरु एवं सोने की चिड़िया बनने की राह पर है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक परिश्रम से राइजिंग राजस्थान बेहद सफल कार्यक्रम साबित हुआ है तथा शर्मा प्रवासी राजस्थानियों के किसी भी काम में कमी नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रवासी बंधुओं को हर तरह की सुविधा मुहैया करवाई जा रही है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से कहा कि वे साल में एक बार जरूर अपने गांव जाएं तथा सब मिलकर राजस्थान को हिंदुस्तान का नंबर 1 प्रदेश बनाने का संकल्प लें।

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में सुशासन की नई परिभाषा बनी है तथा सुशासन से सिस्टम में त्वरित एवं सटीक निर्णय में आसानी हुई है।

# देश की अर्थव्यवस्था को पांच लाख करोड़ डॉलर बनाने में खनन क्षेत्र की अहम भूमिका : किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय खान एवं कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को पांच लाख करोड़ डॉलर बनाने में खनन क्षेत्र की अहम भूमिका है। रेड्डी ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में निजी क्षेत्र को भी भागीदार बनाना चाहती है इसलिए सरकार ने खनिज क्षेत्र में सुधार करते हुए पारदर्शिता और सतत खनन पर जोर दिया है। रेड्डी सोमवार को राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन में खनन क्षेत्र पर आयोजित 'स्टेनेबल माइनिंग सेफगार्ड फ्यूचर' सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश में खनिज खोज कार्य में निजी क्षेत्र की भी भागीदारी तय होने से अहम खनिज के खोज व खनन में तेजी आएगी और विदेशों पर निर्भरता कम की जा सकेगी। रेड्डी ने कहा कि रोजगार के नये अवसर विकसित करने तथा देश की अर्थव्यवस्था में खनन क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सरकार के साथ ही उद्यमियों को भी लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना होगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में खनन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, क्षेत्रफल के मामले में देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही राजस्थान खनिज उत्पादन में भी अग्रणी है। यहां 82 तरह के खनिजों के भंडार हैं, जिनमें से 58 खनिजों का व्यावसायिक स्तर पर खनन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की मिट्टी सोना, लौह अयस्क, कच्चा तेल और प्राकृतिक पत्थर जैसे अनमोल खनिजों से भरी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा, राजस्थान के मार्बल, ग्रेनाइट और अन्य भवन निर्माण सामग्री की पूरी दुनिया में मांग है। नए संसद भवन और राम मंदिर जैसी ऐतिहासिक इमारतों में हमारे यहां के पत्थरों का उपयोग होना हमारे लिए गौरव की बात है।

# चित्तौड़गढ़ में कांस्टेबल ने साथी पुलिसकर्मी को गोली मारी, फिर खुदकुशी का प्रयास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में सोमवार शाम एक कांस्टेबल ने कथित तौर पर एक महिला कांस्टेबल को गोली मार दी और बाद में खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। चित्तौड़गढ़ पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि दोनों की हालत गंभीर है और उनका उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि घटना बेगूं थाने के पास हुई और महिला कांस्टेबल पूनम थाने के पास किराए के मकान में रहती है। उन्होंने बताया कि कांस्टेबल सियाराम उसके घर पहुंचा और सर्विस रिवॉल्वर से गोली चला दी। उन्होंने बताया कि गोली महिला के सीने में लगी और इसके कुछ देर बाद उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि दोनों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हें चित्तौड़गढ़ के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जोशी ने बताया कि दोनों की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच की जा रही है।

# मंत्री राज्यवर्धन बोले, राइजिंग राजस्थान के माध्यम से 35 से अधिक देश जुड़े हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान की भजनलाल सरकार में कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने मंगलवार को आईएएनएस से बातचीत की। इस दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन बार चुनी हुई सरकार देश में है। उसके साथ-साथ राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। दोनों सरकारों की ताकत के साथ हमें बड़े लक्ष्य लेकर काम करना है।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे लिए बड़ा लक्ष्य होना चाहिए कि राजस्थान की दशा और दिशा जो रही है पिछली सरकार में जो स्थगित हो गई थी, उसको तेज गति से आगे बढ़ाना है। राजस्थान के नौजवानों के लिए एक ऐसा भविष्य हम तैयार करें कि हर हाथ के पास काम हो, हर घर में समृद्धि आए और उसके साथ साथ राजस्थान आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कहानी, राजस्थान की क्षमता, राज्य के युवाओं की, यहां के किसानों की, यहां के एग्रो प्रोडक्ट्स की, यहां के टूरिज्म की, यहां के हर तरह के व्यापार की कहानी दुनिया के कोने-कोने में पहुंचनी जरूरी है। इस राइजिंग राजस्थान के माध्यम से 35 से अधिक देश जुड़े हैं। राजस्थान की कहानी, राजस्थान की क्षमता इन देशों तक पहुंची है। इसका एक ही लक्ष्य है हम राजस्थान को उस ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं जहां राजस्थान असली में है। वहां हम दिखाना चाहते हैं कि राजस्थान की काबिलियत इतनी जबरदस्त है। यहां आकर व्यापार करिए, यहां के लोगों के साथ रिश्ते और बढ़ाइए। राजस्थान भी आगे बढ़े और राजस्थान के साथ-साथ हमारा राष्ट्र भी आगे बढ़े यही हमारा मकसद है।

इस दौरान राज्यवर्धन सिंह राठौड़ दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि केजरीवाल के बारे में जब मैं सुनता हूं या उनके बारे में जब मैं पढ़ता हूं, तो एक बात स्पष्ट है कि जिस चीज के लिए वह कई दशक पहले खड़े होते थे और कहते थे कि उन्होंने एक गैर-राजनीतिक मंच बनाया था। जितनी बातें उन्होंने कहीं उसके विपरीत उन्होंने काम किया है।

उन्होंने आगे कहा कि मेरा दिल्ली से यही आग्रह है कि जिस तरीके से देश के अंदर अलग-अलग राज्य में जहां भाजपा सरकार है और जो पीएम मोदी की कार्यशैली में विश्वास रखते हैं, आज वहां तेज गति से विकास हो रहा है। अब विडंबना यह है कि देश के अलग-अलग राज्य प्रगति कर रहे हैं, लेकिन देश की राजधानी पिछड़ती जा रही है। उससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जो असर पढ़ना चाहिए वो असर उल्टा पड़ रहा है। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने पर तेज गति से विकास होगा और तेज गति से दिल्ली आगे बढ़ेगी।

# सऊदी अरब ने खनन और पेट्रोलियम सेक्टर में दिखाई रुचि

जयपुर। सऊदी अरब के उप मंत्री शेख अब्दुल मजीद फलाह के नेतृत्व में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट में हिस्सा ले रहे प्रतिनिधिमण्डल ने राज्य में खनिज और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में निवेश में रुचि दिखाई है। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया कि माइंस एवं पेट्रोलियम विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सउदी अरब के उप मंत्री शेख अदुल मजीद फलाह और शेख अब्दुला के साथ राज्य में इस क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

टी. रविकान्त ने बताया कि अतिरिक्त निदेशक माइंस बीएस सोढ़ा ने सउदी अरब दल के सदस्यों को विस्तार से प्रदेश में उपलब्ध मिनरल्स, एक्सप्लोरेशन और निकट भविष्य में होने वाले मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजस्थान में डेकोरेटिव स्टोन्स के साथ ही क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के भण्डार हैं और चरणबद्ध तरीके से इनके ब्लॉक्स तैयार कर नीलाम किए जा रहे हैं।

अतिरिक्त निदेशक पेट्रोलियम अजय शर्मा ने राजस्थान रिफाइनरी और उसके आसपास के क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल जोन विकसित होने की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में उपलब्ध क्रूड ऑयल और गैस के भण्डारों की खोज और दोहन के संबंध में अवगत करवाया। सऊदी अरब के उप मंत्री शेख अब्दुल मजीद फलाह और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेख अब्दुला ने खनिज के साथ ही रिफाइनरी के आस पास के क्षेत्र में विकसित हो रहे पेट्रोकेमिमल जोन में औद्योगिक निवेश में रुचि दिखाई है। गौरतलब है कि शासन सचिव वित्त व्यय नवीन जैन सउदी अरब से निवेश के संबंध में राज्य सरकार के प्रभारी अधिकारी हैं और वह राज्य सरकार और सउदी अरब के प्रतिनिधियों के बीच समन्वय कर प्रदेश में अधिक से अधिक विदेशी निवेश लाने का प्रयास कर रहे हैं।

# पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए टेक्नोलॉजी और ब्रांडिंग पर रहेगा फोकस : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राजस्थान सरकार की ओर से जयपुर के सीतापुरा जेईसीसी परिसर में सोमवार को शुरू हुए राइजिंग राजस्थान(9-10-11 दिसंबर 2024) में 'एम्ब्रेसिंग डायवरसिटी- प्रमोटिंग इनक्लूसिव टूरिज्म' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मुख्य आतिथ्य के रुप में उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने उपस्थित निवेशकों, अतिथियों, ट्रेवल राइटर्स, ब्लॉगर्स व पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी स्टेक होल्डर्स को संबोधित करते हुए पर्यटन क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे नवाचारों का उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने सभी का आह्वान करते हुए कहा कि राजस्थान को वैश्विक पटल पर सभी का पसंदीदा पर्यटन स्थल बनाने के लिए सभी को मिलजुल कर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल व्यवसाय का जरिया नहीं है, यह हमारी संस्कृति और हमारे अनुभवों को साझा करने का माध्यम है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान उपस्थित सभी लोगों से संवाद स्थापित करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार का लक्ष्य प्रदेश में रिपीट टूरिज्म को बढ़ावा देना है । उन्होंने कहा कि हम सभी का प्रयास होना चाहिए की राज्य में राजस्थान आने वाला पर्यटक यहां पुनः पर्यटन के लिए आए, इसके लिए हमें नए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देते हुए, पर्यटकीय सुविधाओ का विस्तार करना होगा। दीया कुमारी ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार का फोकस मार्केटिंग व प्रमोशन रहेगा, जिसमें नई टैक्नोलॉजी का खासा योगदान रहेगा।

दीया कुमारी ने यह संदेश दिया कि राइजिंग राजस्थान जैसे आयोजन महज आयोजन ही नहीं है, यह विकास की दिशा में बढ़ने की सतत प्रक्रिया है, जो निरंन्तर जारी रहेगी।

राइजिंग राजस्थान का शुभारम्भ करने के लिए उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार प्रदेश में पर्यटन को नई बुलन्दियों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। आज के सैक्टोरियल सैशन का विषय भी प्रधानमंत्री जी के उस विचार से प्रेरित है जिसमें उन्होंने कहा था कि पर्यटन देश की अर्थव्यवस्था और समाज को जोड़ने का माध्यम होना चाहिए। हमारी सरकार का भी यही उद्देश्य है कि समाज के प्रत्येक वर्ग को रोजगार और व्यापार के बेहतर अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि

राजस्थान का पर्यटन तभी आगे बढ़ेगा, जब हम सब मिलकर काम करेंगे, नए विचारों को अपनाएंगे और सभी को इसका हिस्सा बनाएंगे। उन्होंने राइजिंग राजस्थान के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी का भी आभार किया।

# मुगलकाल के बाद एक बार फिर चर्चा में आया जायल का मायरा, भाइयों ने दो करोड़ से ज्यादा का भात भरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागौर/दक्षिण भारत । राजस्थान के जायल तहसील के बुरड़ी गांव में दो भाइयों ने अपनी बहन के बेटे की शादी में 2 करोड़ रुपए से अधिक का मायरा भरकर इतिहास रच दिया। यह मायरा क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है और इसे मुगलकाल के समय भरे गए जायल के मायरे से जोड़कर देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार बुरड़ी गांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक रामनारायण झाड़वाल ने अपनी बेटी संतोष के बेटे रामेश्वर ढाका की शादी में यह मायरा भरा। इस मायरे में 1 करोड़ 1 लाख रुपये नकद के साथ, 30 लाख रुपये का प्लॉट, 25 तोला सोना और 5 किलो चांदी, 140 चांदी के सिक्के, नई ट्रैक्टर-ट्रॉली बाजरी से भरी हुई, देशी घी से भरा हुआ मटका दिया गया। मायरा भरने गए परिजनों के साथ ढाई सौ कारों का काफिला जायल के बुरड़ी गांव से मनीराम ढाका के गांव मालगांव की ओर रवाना हुआ, तो इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। इस मायरे की चर्चा पूरे इलाके में फैल गई। मायरा भरने से पहले गांव की सीमा पर स्थित खेजड़ी के पेड़ को चुनरी ओढ़ाकर भाइयों ने मायरे की परंपरा को निभाया।

मारवाड़ के नागौर में जायल के खियाला गांव के जाटों द्वारा भरा गया मायरा पुराने समय से ही चर्चा में रहा है। आज भी मारवाड़ की महिलाएं इस मायरे को लोकगीतों में याद करते हुए गाती हैं। इस मायरे के बारे में बताया जाता है कि मुगलिया सल्तनत के दौर में मारवाड़ से राजस्व कलेक्शन का काम खियाला गांव के दो भाइयों धर्माराम और गोपालराम के जिम्मे था। एक बार जब वे राजस्व जमा करवाने दिल्ली जा रहे थे इसी बीच रास्ते में एक महिला लिछमा रास्ते में रोती हुई मिली और उसने बताया कि उसके बेटे की शादी है और उसके कोई भाई नहीं है इसलिये उसे बच्चों की शादी में मायरा कौन भरेगा? उसकी ससुराल वाले भी इसके लिए उसे ताने दे रहे हैं इसलिए अब वह आत्महत्या करने वाली है। इस पर धर्माराम और गोपालराम ने उसे आत्महत्या करने से रोका और अपने पास के पूरे राजस्व के पैसों से उसके यहां का मायरा भर दिया। इसके बाद दोनों भाई दिल्ली दरबार पहुंचे और दिल्ली के बादशाह को पूरी बात सच-सच बता दी। दरबार में बैठे लोगों ने यह सुनकर तरह-तरह के आरोप लगाने शुरू कर दिए दोनों भाइयों को मौत की सजा देने की बात करने लगे लेकिन बादशाह ने अपने गुप्तचर को मारवाड़ भेजकर हकीकत पता करवाई और जब असलियत पता चलने के बाद उन्हें माफ कर दिया। जायल का यह मायरा न केवल क्षेत्र की सांस्कृतिक परंपरा को उजागर करता है, बल्कि यह दिखाता है कि कैसे पारंपरिक रस्में आज भी लोगों के दिलों में जीवित हैं। रामनारायण झाड़वाल और उनके दोनों बेटों डॉ. अशोक झाड़वाल और रामकिशोर ने मायरा भरने की परंपरा निभाते हुए परिवार की एकता का अद्वितीय उदाहरण पेश किया है।

## शम्सी जामा मस्जिद बनाम नीलकंठ मंदिर मामले की सुनवाई टली

**बदायूं (उप्र)/भाषा।** बदायूं में शम्सी जामा मस्जिद बनाम नीलकंठ मंदिर मामले की सुनवाई एक अधिवक्ता के निधन की वजह से मंगलवार को नहीं हो सकी। शम्सी शाही मस्जिद इंतजामिया कमेटी एवं वक्फ बोर्ड के वकील असरार अहमद ने कहा कि मामले की सुनवाई अब 17 दिसंबर को होगी। अदालत ने तीन दिसंबर को मुस्लिम पक्ष से 10 दिसंबर तक दलीलें पूरी करने को कहा था। दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) अमित कुमार सिंह ने सुनवाई की अगली तारीख 10 दिसंबर तय की थी। यह मामला 2022 में शुरू हुआ था जब अखिल भारत हिंदू महासभा के तत्कालीन संयोजक मुकेश पटेल ने दावा किया था कि मस्जिद स्थल पर नीलकंठ महादेव मंदिर था। मामला पड़ोसी संभल जिले में पिछले महीने मस्जिद के सर्वेक्षण के अदालती आदेश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के बाद सुर्खियों में आया।

# जो लोग जोखिम के लिए तैयार नहीं होते, वे पीछे रह जाते हैं : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गोरखपुर (उप्र)/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो लोग जोखिम के लिए तैयार नहीं होते, वे पीछे रह जाते हैं। आदित्यनाथ ने यहां महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा, ''समय का चक्र बिना किसी की प्रतीक्षा किए निरंतर चलता रहता है। जो लोग जोखिम के लिए तैयार नहीं होते और खुद को ढाल नहीं पाते, वे पीछे रह जाते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित समाजसेवी कैलाश सत्यार्थी का स्वागत करते हुए आदित्यनाथ ने समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए पहल करने में एकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''जब हमारे प्रयास सामूहिकता और टीम भावना से प्रेरित होते हैं तो परिणाम स्वाभाविक रूप से समर्पण और तैयारी को दर्शाते हैं। यही सफलता का सही मापदंड होता है।

मुख्यमंत्री ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में दिमागी बुखार के उन्मूलन को सामूहिक प्रयास और अनुसंधान की शक्ति का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल में 40 साल से अधिक समय तक दिमागी बुखार का कहर रहा, जिससे 38 जिलों में हजारों बच्चों की मौत हो गयी।

आदित्यनाथ ने कहा कि शुरुआती वर्षों में इस क्षेत्र में उचित उपचार सुविधाएं मौजूद नहीं थीं और टीके उपलब्ध होने के बावजूद वायरस ने खुद को ढाल लिया, जिससे संकट और भी विकट हो गया। उन्होंने कहा कि हालांकि 2017 में उनकी सरकार बनने के बाद राज्य और केंद्र सरकारों, यूनिसेफ, स्वास्थ्य संगठनों और विभिन्न सरकारी टीमों के सहयोग से एक मजबूत कार्य योजना बनाई गई।

## समुद्री विरासत सम्मेलन में प्रदर्शित की जाएगी देश की विरासत : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को कहा कि सरकार भारतीय समुद्री विरासत सम्मेलन (आईएमएचसी) 2024 में देश की समुद्री विरासत को प्रदर्शित करेगी और निवेशकों से इस क्षेत्र के विकास का हिस्सा बनने का आग्रह करेगी। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय कार्यक्रम में दुनियाभर के देशों के समुद्री इतिहासकार, पुरातत्वविद और समुद्री शोधकर्ता भाग लेंगे।

केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि इस कार्यक्रम में समुद्री अन्वेषण, पुरातात्विक आंकड़े, नौसैनिक वास्तुकला और समुद्री संस्कृतियों के विशाल इतिहास पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में हाल की विभिन्न शोध परियोजनाओं से पुरातात्विक और पाठ्य संदर्भों में पाए गए साक्ष्यों पर चर्चा की जाएगी, जो पश्चिमी हिंद महासागर में फैले समुद्री नेटवर्क के साथ भारत के प्रभाव और साझा संबंधों पर जोर देते हैं।

## फतेहपुर में नूरी मस्जिद का अवैध निर्माण ढ़हाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**फतेहपुर (उप्र)/भाषा।** जिले के ललौली कस्बे की नूरी मस्जिद में हुए अवैध निर्माण को प्रशासन ने मंगलवार को ढहा दिया।

बांदा-बहराइच राजमार्ग संख्या-13 के चौड़ीकरण के लिए लोक निर्माण विभाग ने मस्जिद के अवैध निर्माण वाले कुछ हिस्से को हटाने के संबंध में नोटिस दिया था, लेकिन मस्जिद प्रबंधन द्वारा अवैध निर्माण नहीं ढहाया गया था। ललौली थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) वृन्दावन राय ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बांदा-बहराइच राजमार्ग संख्या-13 के चौड़ीकरण में बाधा बन रहे नूरी मस्जिद के करीब 20 मीटर हिस्से को अधिकारियों की मौजूदगी में मंगलवार को बुलडोजर से ढहा दिया गया और अब उसका मलबा हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''कानून व्यवस्था बरकरार है। मस्जिद के इर्द-गिर्द करीब 200 मीटर के दायरे की सभी दुकानें बंद करवा दी गई हैं और चारों तरफ 300 मीटर के दायरे को सील कर दिया गया है। इस समय ललौली कस्बा पुलिस छावनी बना हुआ है।

एसएचओ ने बताया कि ललौली कस्बे के चप्पे-चप्पे में पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स के जवान तैनात हैं तथा कस्बे में शांति व्यवस्था कायम है।

राय ने बताया कि लोक निर्माण विभाग ने मस्जिद का कुछ हिस्सा हटाए जाने के लिए 17 अगस्त 2024 को एक नोटिस मस्जिद प्रबंधन समिति को दिया था, लेकिन मस्जिद प्रबंधन द्वारा इस पर अमल नहीं किया गया।

## झामुमो के रवींद्रनाथ महतो निर्विरोध झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए

**रांची/भाषा।** झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के रवींद्रनाथ महतो मंगलवार को निर्विरोध रूप से झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए। विधानसभा के चार दिवसीय सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस पद के लिए महतो के नाम का प्रस्ताव रखा और झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

रवींद्रनाथ महतो पूर्व में पांचवी झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रह चुके हैं। वह निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष चुने गए क्योंकि विपक्षी दलों ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया था।

लगातार दूसरी बार विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर सोरेन ने सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर से महतो को बधाई दी।

सोरेन ने बधाई संदेश में कहा, ''आपके नेतृत्व में हमने पांचवीं झारखंड विधानसभा का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया। सदन की गरिमा को मजबूत करने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने कहा, ''हमें आशा और पूर्ण विश्वास है कि पिछले सत्रों की तरह हम राज्य के समग्र विकास के लिए लोकतंत्र के इस मंदिर में एकत्रित होंगे।

सोरेन ने विपक्षी दलों के सदस्यों से जनादेश का सम्मान करने और राज्य के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाने का भी आग्रह किया। हाल के विधानसभा चुनाव में रवींद्रनाथ महतो ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के माधवचंद्र महतो को 10,483 मतों के अंतर से हराकर झामुमो के टिकट पर नाला विधानसभा सीट बरकरार रखी। झामुमो नेता महतो ने सोमवार को अन्य विधायकों के साथ झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली थी।

## बिहार बिजनेस कनेक्ट: राजदूतों की बैठक ने वैश्विक निवेश संबंधों को किया मजबूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** 'बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024' शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण से पहले राज्य सरकार के उद्योग विभाग ने चुनिंदा राजनयिकों को राज्य की रणनीतिक पहल, सुधारों और निवेश के अवसरों की जानकारी दी है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, 'बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 - राजदूतों की बैठक' के दौरान वैश्विक स्तर पर राज्य सरकार की नीतियों और पहलों को पेश किया गया।

यह कार्यक्रम अगले हफ्ते होने वाले निवेशक शिखर सम्मेलन के सिलसिले में आयोजित किया गया। बिहार सरकार निवेश आकर्षित करने के लिए 19-20 दिसंबर को पटना में इस सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है। कई देशों के राजनयिकों की भागीदारी वाले इस कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री सम्राट चौधरी, उद्योग और पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा, राज्य के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा और उद्योग विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी मौजूद रहे। इस दौरान भारत में लगभग 30 विदेशी मिशनों के राजनयिकों के साथ ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार संघों और व्यापार संवर्धन निकायों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में उपस्थित विदेशी मेहमानों में वियतनाम के राजदूत गुयेन थान, अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो अगस्टिन कॉसिनो और फिलीपींस के राजदूत जोसेल फ्रांसिस्को इग्रासियो शामिल थे। अमेरिकी दूतावास के वाणिज्यिक अधिकारी डेविड पास्क्रिनी के साथ ही भारत-जर्मनी चैंबर ऑफ कॉमर्स, टीपीसीआई, एफआईईओ, एईपीसी, अमेरिका-भारत व्यापार परिषद और ब्रिटेन-भारत व्यापार परिषद जैसे प्रमुख व्यापार निकाय भी मौजूद थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा, नीति, जनसंख्या और जल स्रोत बिहार को खास बनाते हैं। यहां हम ऐसी नीतियों पर काम कर रहे हैं, जो चमड़ा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और स्टार्टअप जैसे क्षेत्र-विशेष के लिए हैं। बिहार के वित्त मंत्रालय का भी कार्यभार संभाल रहे चौधरी ने कहा, हमारी जनसंख्या हमारी ताकत है। यह न केवल बिहार को एक बड़ा बाजार बनाता है बल्कि मानव संसाधन का केंद्र भी बनाता है। पानी की प्रचुरता बिहार की भूमि को उत्पादन के मामले में श्रेष्ठ बनाता है।

## जमीनी स्तर पर विकास, शासन, पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण 2036 से पहले प्रमुख मुद्दे : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को यहां कहा कि भारत को 2036 तक अगर एक मजबूत खेल शक्ति के रूप में उभरना है तो उसे जमीनी स्तर पर विकास के सिद्धांतों को अपनाते हुए प्रतिभा पोषण के लिए श्रेणीबद्ध शासन प्रणाली तैयार करनी होगी। खेल मंत्री ने इसके साथ ही युवाओं को पेशेवर खिलाड़ी बनाने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर भी जोर दिया।

मांडविया वर्तमान में 2036 ओलंपिक खेलों तक भारत को एक खेल महाशक्ति के रूप में उभरने के लिए मंच तैयार करने के लिए एक त्रि-आयामी रणनीति को आकार दे रहे हैं। भारत ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को 'आशय पत्र' प्रस्तुत किया है। मांडविया ने कहा, ''खेलों को आगे ले जाने के लिए खेल विकास, खेल प्रशासन और खेल पारिस्थितिकी तंत्र जरूरी है। अगर हम इन तीन चीजों को एक साथ लगाएंगे, तभी देश में खेल समृद्ध हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ''खेल विकास के तहत हमें प्रतिभा को पहचानना होगा। हमारे देश में इसकी कोई कमी नहीं है। हम 'खेलो इंडिया स्कूल खेलों' से शुरुआत करेंगे जहां प्रतिभाओं को पहचाना जायेगा। फिर इस प्रतिभा को निखारने की जरूरत होगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, '' मान लीजिए किसी जिले में हमें 100 बच्चे मिलते हैं तो वे अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए जिला स्तर के खेल स्कूलों, निजी या सरकारी, छात्रावासों या खेल के मैदानों में जाएंगे। ऐसा सभी जिलों में होगा। प्रतिभा को निखारने के लिए अच्छे प्रशिक्षकों को नियुक्त किया जाएगा, जिसके बाद खिलाड़ी 'खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों' में भाग लेंगे, जहां सर्वश्रेष्ठ की पहचान की जाएगी। उन्होंने कहा, '' ये खिलाड़ी इसके बाद 'खेलो इंडिया युवा खेलों (केआईवाईजी)' का हिस्सा बनेंगे। हम खिलाड़ियों के विकास के लिए संबंधित महासंघ को भरोसे में रखेंगे। लेकिन हम पूरी तरह से महासंघों पर निर्भर नहीं रहेंगे। हमें प्रतिभा को पहचानना होगा और उसे 2036 के लिए तैयार करना होगा।

## मणिपुर के इंफाल में अफस्पा, महिलाओं और बच्चों की हत्या के खिलाफ रैली निकाली गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**इंफाल/भाषा।** मणिपुर की राजधानी इंफाल में मंगलवार को सैकड़ों लोगों ने फिर अफस्पा लगाने तथा पिछले महीने संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा जिरीबाम जिले में तीन बच्चों समेत छह लोगों की कर दी गयी हत्या के विरोध में रैली निकाली। यह रैली इंफाल पश्चिम जिले के थाऊ मैदान क्षेत्र से शुरू हुई और लगभग पांच किलोमीटर की दूरी तय कर खुमान लम्पक स्टेडियम पर समाप्त हुई।

प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां पकड़ रखी थीं तथा 'मणिपुर को नष्ट मत करो' एवं 'मणिपुर बचाओ' जैसे नारे लगाते हुए सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफस्पा) को हटाने की मांग की। मानवाधिकार दिवस के अवसर पर कई संगठनों ने संयुक्त रूप से इस रैली का आयोजन किया। ये संगठन 'ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गेनाइजेशन', 'पोइरेई लीमारोल मीरा पैबी अपुनबा मणिपुर', 'ऑल मणिपुर वूमेन वोलंटरी एसोसिएशन', 'कमिटी फोर ह्यूमन राइट्स' और 'मणिपुर स्टूडेंट फेडरेशन' थे।

महिला प्रदर्शनकारी एस निरुपमा ने कहा, ''मानवाधिकार दिवस के अवसर पर, हम दृढ़ता के साथ कहना चाहते हैं कि मणिपुर के लोग राज्य में अफस्पा के दोबारा लागू होने के साथ-साथ कुकी-जो उग्रवादियों द्वारा निर्दोष महिलाओं और बच्चों की की गयी हत्याओं के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। इंफाल घाटी और नगा क्षेत्रों को अफस्पा से नुकसान उठाना पड़ा है, क्योंकि यह उग्रवाद से लड़ने के नाम पर नागरिकों की हत्या करने का एक हथियार है। रैली के मद्देनजर राज्य की राजधानी में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और रैली के दौरान किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। केंद्र ने हाल में हिंसा प्रभावित जिरीबाम सहित मणिपुर के छह थाना क्षेत्रों में अफस्पा फिर लगा दिया है।

## रेल की पटरी पर मिली दरार, ट्रैकमैन की सतर्कता से टला हादसा

**बरेली (उप्र)/भाषा।** पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर और भोजीपुरा जंक्शन के बीच रेल की पटरी में दरार आ गयी, लेकिन रेलवे ट्रैकमैन की सतर्कता के कारण हादसा टल गया। अधिकारियों ने बताया कि इज्जतनगर और भोजीपुरा जंक्शन के बीच रेल की पटरी में दरार आ गयी और रेलवे 'ट्रैकमैन' ने इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी जिसके बाद इस रेलमार्ग से गुजरने जा रही रामनगर-आगरा फोर्ट एक्सप्रेस को इज्जतनगर में रोक लिया और उसके पटरी से उतरने का खतरा टल गया। रामनगर-आगरा फोर्ट एक्सप्रेस रविवार रात आगरा फोर्ट से रवाना हुई और इज्जतनगर पहुंची। पटरियों की मरम्मत के बाद ट्रेन को 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सावधानीपूर्वक जाने दिया गया। पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि इज्जतनगर और भोजीपुरा के बीच क्रॉसिंग संख्या 236बी पर दरार आ गई और गश्त के दौरान ट्रैकमैन प्रेमपाल और हरिबाबू ने पटरी में एक इंच की दरार देखी तो उन्होंने अधिकारियों को सूचित किया।

## सरकार सदन नहीं चलने दे रही, अदाणी मुद्दे पर चर्चा करने से डरती है : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सत्तापक्ष लोकसभा की कार्रवाई नहीं चलने देना चाहता, क्योंकि वह अदाणी मामले पर चर्चा से डरता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में नहीं आते हैं।

वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने की बाद संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''सरकार सदन को चलने ही नहीं दे रही है। हमारे जो भी प्रदर्शन हैं, ये सुबह 10:30 से 11 बजे के बीच होते हैं। सदन शुरू होते ही हम अंदर चले जाते हैं, लेकिन सत्तापक्ष के लोग कुछ ऐसा करते हैं कि सदन स्थगित हो जाता है। यही इनकी रणनीति है।

उन्होंने कहा कि (इससे) साफ है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अदाणी मामले पर बहस नहीं करना चाहती, क्योंकि सारी बातें सामने आ जाएंगी। प्रियंका गांधी ने कहा भाजपा अदाणी मामले पर चर्चा से डरी हुई है।

## उत्तर प्रदेश में जल्द खुलेंगे पांच नए केंद्रीय विद्यालय : सरकार

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के अयोध्या और कन्नौज समेत पांच जिलों में एक-एक नया केंद्रीय विद्यालय खोला जाएगा। राज्य सरकार द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, प्रदेश के अयोध्या, जौनपुर, कन्नौज, बिजनौर और महराजगंज जिलों में निकट भविष्य में पांच नए केंद्रीय विद्यालय (केवी) खोले जाएंगे। बयान में कहा गया है कि इससे सम्बन्धित प्रस्ताव को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है तथा इन स्कूलों के खुलने से राज्य में केंद्रीय विद्यालयों की कुल संख्या बढ़कर 127 हो जाएगी। यह देश में सबसे अधिक होगी। इन नए स्कूलों के खुलने से राज्य में शिक्षा के स्तर में और सुधार होने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित छात्रों को मुख्यधारा में लाये जाने की उम्मीद है। प्रत्येक नए स्कूल की क्षमता 960 छात्रों की होगी।

# न्यायालय ने विहिप के कार्यक्रम में न्यायमूर्ति यादव की टिप्पणी पर लिया संज्ञान, जानकारी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने एक अहम घटनाक्रम में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक कार्यक्रम में न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव के कथित विवादास्पद बयानों से संबंधित खबरों पर मंगलवार को संज्ञान लिया और इस मुद्दे पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय से विस्तृत जानकारी मांगी है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में महत्वपूर्ण हो गया है जब प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना से कथित विवादित बयान देने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, ''शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव द्वारा दिए गए भाषण की समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों का संज्ञान लिया है। न्यायाधीश ने विहिप के एक समारोह में कहा था कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है। न्यायमूर्ति यादव ने यह टिप्पणी आठ दिसंबर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय

में विहिप के प्रांतीय विधिक प्रकोष्ठ एवं उच्च न्यायालय इकाई के सम्मेलन को संबोधित करते हुए की। बहुमत के अनुसार काम करने वाले कानून सहित विभिन्न मुद्दों पर बात करते न्यायमूर्ति यादव का वीडियो एक दिन बाद व्यापक रूप से प्रसारित हुआ। इस पर विपक्षी दलों सहित विभिन्न धड़ों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और उन्होंने न्यायाधीश के कथित बयानों पर सवाल उठाए तथा इसे घृणास्पद भाषण करार दिया।

अधिवक्ता और गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'कैंपेन फॉर ज्यूडिशियल अकाउंटेबिलिटी एंड रिफॉर्म्स' के संयोजक प्रशांत भूषण ने मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश खन्ना को एक पत्र लिखकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के आचरण की 'आंतरिक जांच' कराने का अनुरोध किया। भूषण ने कहा कि न्यायाधीश ने न्यायिक नैतिकता के साथ-साथ निष्पक्षता और धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक सिद्धांतों का भी उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि इस टिप्पणी ने एक तटस्थ मध्यस्थ के रूप में न्यायपालिका की भूमिका कमजोर की है तथा इसकी स्वतंत्रता में जनता के विश्वास को क्षीण किया है। भूषण ने पत्र में कहा, ''न्यायपालिका में जनता का विश्वास बहाल करने के लिए एक मजबूत संस्थागत प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''हम आपके कार्यालय (प्रधान न्यायाधीश) से आग्रह करते हैं कि न्यायमूर्ति यादव द्वारा न्यायिक अनियमितताओं की जांच के लिए तत्काल एक आंतरिक समिति गठित करके तथा उनसे सभी न्यायिक कार्य वापस लेकर न्यायपालिका की संस्था में लोगों का विश्वास बहाल करें।

## अगर उन्होंने ऐसा कहा भी है तो भी मुझे खेद नहीं है: न्यायाधीश की टिप्पणी पर विहिप प्रमुख ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रमुख आलोक कुमार ने प्रयागराज में परिषद के एक कार्यक्रम में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर यादव के शामिल होने एवं उनके संबोधन को लेकर विपक्ष की आलोचना को मंगलवार को खारिज करते हुए कहा कि इस तरह के जागरूकता सम्मेलन आयोजित किये जाते रहेंगे।

विहिप के विधि प्रकोष्ठ एवं उच्च न्यायालय इकाई के प्रांतीय सम्मेलन के दौरान रविवार को न्यायमूर्ति यादव ने समान नागरिक संहिता और अन्य मुद्दों पर बात की। बहुमत के अनुसार काम करने वाले कानून सहित विभिन्न मुद्दों पर न्यायमूर्ति यादव के वीडियो एक दिन बाद व्यापक रूप से प्रसारित हो गये। इसपर विपक्षी दलों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार ने मंगलवार को कहा कि वह प्रयागराज बैठक में मौजूद नहीं थे, लेकिन निश्चित रूप से इस विषय में जानते हैं। कुमार ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हमने न्यायाधीश को समान नागरिक संहिता पर बोलने के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया था। हम पूर्व न्यायाधीशों के बीच काम करते हैं, उन्हें विहिप और हिंदुत्व के लिए काम करने के लिए आमंत्रित करते हैं। लेकिन जहां तक मौजूदा न्यायाधीशों का सवाल है, हम उनसे विहिप के लिए काम करने की उम्मीद नहीं करते। कभी-कभी समान नागरिक संहिता जैसे विषयों पर प्रकाश डालने के लिए हम उन्हें आमंत्रित करते हैं।

कुमार ने कहा, इसलिए, समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने बैठक में कहा कि यह राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत एक संवैधानिक आदेश है।

## सुविचार

**मिलता तो बहुत कुछ है इस ज़िंदगी में, बस हम गिनती उसी की करते है, जो हासिल न हो सका।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# सरकारें इच्छाशक्ति दिखाएं

उच्चतम न्यायालय ने कोविड महामारी के समय से मुफ्त राशन पाने वाले प्रवासी श्रमिकों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने और क्षमता निर्माण किए जाने के संबंध में जो प्रश्न पूछा, वह अत्यंत प्रासंगिक है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा नागरिकों को कई सुविधाएं दी जाती हैं, जिनमें कुछ मुफ्त भी होती हैं। कोई सुविधा कब तक मुफ्त दी जा सकती है और दी जानी चाहिए, इस पर चर्चा होनी चाहिए। सरकारों का फर्ज है कि वे मुफ्त शिक्षा और मुफ्त चिकित्सा जैसी सुविधाएं सबको उपलब्ध कराएं। इनके मुफ्त होने से ही काम नहीं चलेगा; गुणवत्ता भी अच्छी होनी चाहिए। सरकारें इस बात का खास ध्यान रखें कि रोटी महंगी न हो। हर व्यक्ति अपना पेट भरने में जरूर सक्षम हो। इसके लिए रोजगार के पर्याप्त अवसरों का सृजन किया जाए। जो लोग बहुत जरूरतमंद हों, कामकाज करने में समर्थ न हों, उनके लिए अन्न और धन का इतना प्रबंध जरूर करना चाहिए, जिससे वे गुजारा कर सकें। पिछले एक दशक में कुछ राज्य सरकारों ने मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त परिवहन समेत ऐसी कई सुविधाएं शुरू की हैं, जो बड़ी आकर्षक तो लगती हैं, लेकिन उनसे खजाने पर बहुत भार पड़ रहा है। कोई राजनीतिक दल इनके खिलाफ खुलकर नहीं बोल सकता, क्योंकि जनता को नाराज करने का जोखिम कोई नहीं ले सकता। जनता भी कहती है– 'जब मंत्री और अफसर इतनी सुविधाएं ले रहे हैं तो गरीब आदमी को मिल रही थोड़ी–सी सहायता क्यों अखर रही है ... क्या इतनी महंगाई में कुछ राहत पाने का हमारा कोई हक नहीं है?' वास्तव में मुफ्त सुविधाओं या नाममात्र के शुल्क पर दी जाने वाली सुविधाओं संबंधी योजनाओं को सियासी नफे–नुकसान से ऊपर उठकर इस तरह लागू करने की जरूरत है, जिससे देश में बड़े स्तर पर सकारात्मक बदलाव आए।

अगर इन योजनाओं को लागू करते समय ही कुछ खास बिंदुओं का ध्यान रखा जाता तो अब तक कई क्षेत्रों में बदलाव जरूर दिखाई देते। उदाहरण के लिए, जिन राज्यों में लोगों को निश्चित यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है, वहां उसके साथ सोलर पैनल लगवाने पर जोर दिया जाए। जो शहर वायु प्रदूषण से जूझ रहे हैं, वहां उन परिवारों को मुफ्त बिजली–पानी संबंधी योजनाओं में प्राथमिकता मिलनी चाहिए, जिनके घरों में पेट्रोल–डीजल से चलने वाले यात्रीवाहन नहीं हैं। उनमें भी ऐसे परिवारों को प्रोत्साहन देना चाहिए, जिनका कम–से–कम एक सदस्य कहीं आवाजाही के लिए साइकिल का इस्तेमाल करे। जो परिवार ऐसे पौधे लगाकर उन्हें बड़ा करें, जिनसे पर्यावरण को ज्यादा लाभ होता है, उन्हें मुफ्त सुविधाओं वाली योजनाओं में आगे रखना चाहिए। जो लोग बसों, मेट्रो और ट्रेनों में वर्षों से टिकट लेकर यात्रा कर रहे हैं, जो यातायात के नियमों का सही ढंग से पालन कर रहे हैं, विभिन्न करों का भुगतान समय पर कर रहे हैं, उन्हें बैंक में जमा राशि पर ज्यादा ब्याज मिलना चाहिए। जब वे बैंक से कर्ज लें तो वह कम दर पर मिलना चाहिए। सरकारों को चाहिए कि वे अपनी योजनाओं को इस तरह लागू करें कि लोग ईमानदार बनने और अच्छे नागरिक के तौर पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा पाएं। योजनाओं का मकसद जनता का कल्याण करना जरूर होना चाहिए। इनके जरिए एक बेहतर और ईमानदार समाज का निर्माण भी करना चाहिए। यह कोई असंभव या बहुत मुश्किल काम नहीं है। सरकारों और अफसरों को थोड़े–से अलग नजरिए के साथ सोचना होगा। भारतीय समाज अच्छी पहल का स्वागत करता है। इस साल उत्तराखंड स्थित केदारनाथ धाम को प्लास्टिक–मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने बोतलें जमा कराने पर यात्रियों को आर्थिक प्रोत्साहन देना शुरू किया था। इसके तहत यात्री क्यूआर कोड युक्त प्लास्टिक बोतल जमा करवाकर 10 रुपए वापस प्राप्त कर सकते थे। यह राशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी गई। अगर ऐसे प्रयासों को बड़े स्तर पर लागू करें तो कितनी ही समस्याओं का जल्द समाधान हो जाए। इनके लिए सरकारें इच्छाशक्ति तो दिखाएं!

## ट्वीटर टॉक

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में हुई सड़क दुर्घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। प्रभु श्रीराम जी से दिवंगत पुण्यात्माओं को श्री चरणों में स्थान व शोकाकुल परिजनों को अपार दुःख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना है। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना है।

**–राज्यवर्धन सिंह राठौड़**

जनपद हाथरस में मथुरा–कासगंज हाइवे पर सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

**–योगी आदित्यनाथ**

विश्व मानवाधिकार दिवस की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। यह दिन हमें मौलिक अधिकारों और गरिमा की रक्षा करने की याद दिलाता है। आइए, हम सभी मिलकर एक ऐसे समाज की रचना करें जहाँ हर व्यक्ति को उसके अधिकार और स्वतंत्रता का पूरा सम्मान मिल सके।

**–गोविंद सिंह डोटासरा**

## प्रेरक प्रसंग

# निर्वासन और गीता रहस्य

महान क्रांतिकारी खुदीराम बोस ने क्रांतिकारियों का दमन करने वाले मुजफ्फरपुर के अंग्रेज जज किंग्सफोर्ड पर बम फेंका। उनके हमले की तार्किकता पर प्रख्यात पत्रकार व स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक ने अपने पत्र केसरी में दो संपादकीय लिखे। जिसके चलते तिलक पर राजद्रोह का मुकदमा चला। अंग्रेज जज डावर के अलावा जूरी के सदस्य अंग्रेज थे और तिलक अपना पक्ष मराठी में रखते थे। फलत: मनमानी करते हुए जज ने तिलक को छह साल के लिये देश निकाला की सजा दी। जब इस फैसले पर तिलक से सफाई देने को कहा गया तो उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि मैंने केसरी में जो लिखा, उसे राष्ट्रीय आंदोलन के यज्ञ में अपनी आहुति मानकर लिखा। जो भी लिखा सोच–विचार करके लिखा। जिसके लिये मैं किसी भी सजा को भुगतने को तैयार हूं। आपसे मैं न्याय की आस नहीं करता। आपकी सत्ता से बड़ी ऊपर वाले की सत्ता है, जो स्वतंत्रता के प्रेमियों को न्याय दिलाएगी। मेरा मानना है कि मेरे लिये निर्वासन लक्ष्य प्राप्ति में मददगार और शक्तिदायक होगा। तिलक को सजा काटने के लिये बर्मा की मांडले जेल भेजा गया।

## सामयिक

# शांति एवं शीतलता देने वाला कल्पवृक्ष है गीता

**ललित गर्ग**

**मोबाइल : 9811051133**

गीता ही एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसकी हर साल जयंती मनाई जाती है। प्रत्येक वर्ष मार्गशीर्ष महीने की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को यह पर्व मनाया जाता है। गीता को श्रीमद्भगवद्गीता और गीतोपनिषद के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण के द्वारा अर्जुन को जो उपदेश दिए गए उसे गीता कहा जाता है। गीता के उपदेश में जीवन जीने, धर्म का अनुसरण करने और कर्म के महत्व को समझाया गया है। गीता के उपदेशों का अनुसरण करने से समस्त कठिनाइयों और शंकाओं का निवारण होता है। गीता जयंती श्रीमद्भगवद्गीता के आगमन का शुभ दिन है। श्रीमद्भगवद्गीता दुनिया का सबसे श्रेष्ठ ग्रंथ है। गीता में श्रीकृष्ण के द्वारा बताए गए उपदेशों पर चलने से व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। गीता के उपदेश में जीवन को जीने की कला, प्रबंधन और कर्म सब कुछ है। श्रीमद भगवद गीता स्वधर्म और कर्तव्य पथ का मार्ग प्रशस्त करती है। यह भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच होने वाला संवाद है।

गीता कई सदियों पुराना ग्रंथ है, इसके हर शब्द में निहित तर्क, ज्ञान, जीवनदृष्टि एवं संसार को देखने एवं जीने का सार्थक नजरिया इसे एक कालातीत, सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक मार्गदर्शक बनाता है। भगवद गीता के चिरस्थायी मार्गदर्शक सिद्धांतों को समझने से हमें रोजमर्रा की जिंदगी में कैसे और क्यों की गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। यह एक अलौकिक, अद्भुत एवं कालजयी रचना है, जो हमें हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपरा से परिचित कराती है। इसके श्लोकों में हमें रोजमर्रा की जिंदगी की विभिन्न समस्याओं का समाधान खोजने, जीवन की सच्चाई से परिचित होने और अंधविश्वास एवं झूठी मान्यताओं से मुक्ति पाने में मदद मिल सकती है। गीता का ज्ञान हमारे संदेहों एवं शंकाओं को दूर करता है और हमारे आत्मविश्वास का निर्माण करता है। सारांश रूप में देखा जाए तो गीता में आत्मा की नश्वरता (अमरता) 'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः' और कर्म (कर्त्तव्य पालन) 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का उपदेश दिया गया है।

श्रीमद भगवद गीता एक प्रमुख हिंदू धर्मग्रंथ है जो महाकाव्य महाभारत का एक हिस्सा है। जिसमें दोहे/श्लोक हैं, इसके पाठ को संरचनात्मक रूप से 18 अध्यायों में विभाजित किया गया है। भगवद गीता को एक राजकुमार अर्जुन और भगवान के अवतार श्रीकृष्ण के बीच एक संवाद के रूप में प्रस्तुत किया गया है। महाभारत युद्ध शुरू होने से ठीक पहले का यह संवाद सृष्टि की अनमोल धरोहर है। सुलह के कई प्रयास विफल होने के बाद, युद्ध अपरिहार्य था। आखिररकार युद्ध का दिन आ गया और सेनाएं युद्ध के मैदान में आमने–सामने हुईं। जैसे ही युद्ध शुरू होने वाला था, अर्जुन ने विरोधी ताकतों पर अधिक बारीकी से नजर रखने के लिए अपने सारथि श्रीकृष्ण से रथ को युद्ध के मैदान के बीच में ले जाने के लिए कहा। श्रीकृष्ण ने रथ आगे बढ़ाया और भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य के सामने ले जाकर खड़ा कर दिया। अर्जुन ने जब कौरव सेना में अपने कुटुम्ब के लोग देखे तो वह निराश हो गए थे। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि मैं युद्ध नहीं चाहता। मैं संन्यास लेना चाहता हूं। अपने कुटुम्ब के लोगों को मारकर मिलने वाला राज्य मेरे लिए किसी काम का नहीं है। अर्जुन उनसे लड़ने के बारे में नैतिक दुविधा की स्थिति में होकर धनुष छोड़ देते और श्रीकृष्ण से मदद मांगते हैं। श्रीकृष्ण अर्जुन को किंकर्तव्यविमूढ़, मोहग्रस्त एवं सांसारिकता में उलझा हुआ देखकर बोध देते हैं। इन दोनों के बीच जो बातचीत हुई, श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो सलाह, संदेश और उपदेश दिए, उसे अब भगवद गीता के नाम से जाना जाता है। असल में गीता कोरा ग्रंथ नहीं, जीवन–दर्शन है। सदियों पहले दिये गये भगवान श्रीकृष्ण के गीता के उपदेश आज के समय में लोगों के जीवन की घोर निराशा, परेशानियों, सांसारिकता से निकालने का काम करते हैं। गीता को न सिर्फ हिंदू बल्कि दूसरे धर्म से जुड़े लोग भी अपने जीवन में अपनाते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा कि जब–जब धर्म की हानि होती है, दुष्टों की दृष्टि का विस्तार होता है और अधर्म की वृद्धि होती है तब–तब मैं अवतार लेता हूं. या प्रतिनिधि के रूप में किसी महापुरुष को भेजता हूं ताकि विश्व के अंदर शांति तथा धर्म का साम्राज्य स्थापित हो सके। गीता को श्रीमद्भगवद्गीता और गीतोपनिषद के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि गीता के उपदेशों का अनुसरण करने से समस्त कठिनाइयों और शंकाओं का निवारण होता है। गीता में श्रीकृष्ण के द्वारा बताए गए उपदेशों पर चलने से व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। गीता के उपदेश में जीवन को जीने की कला, प्रबंधन और कर्म सब कुछ है। गीता के उपदेश के जरिए श्रीकृष्ण ने मनुष्य को अच्छे–बुरे और सही–गलत का फर्क बताया है। इस दिन गीता का पाठ करने से, उसके उपदेश पढ़ने से व्यक्ति को जीवन उजाला मिलता है, मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके अलावा इस दिन पितरों के नाम से तर्पण करने से आपके पितरों को भी मोक्ष की प्राप्ति होती है। उपवास रखने से व्यक्ति का मन पवित्र होता है और शरीर स्वस्थ होता है। साथ ही व्यक्ति को पापों से छुटकारा मिलता है एवं जीवन में सुख शांति का अनुभव होता है।

गीता के पहले अध्याय में अर्जुन के प्रश्नों की बौछार के आगे श्रीकृष्ण मौन थे। अर्जुन श्रीकृष्ण से लगातार प्रश्न कर रहे थे। युद्ध न करने के निर्णय को सही बताते हुए अपने तर्क दे रहे थे। लेकिन, श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कुछ नहीं कहा। श्रीकृष्ण का मौन देखकर अर्जुन की आंखों से आंसू बहने लगे तब भगवान ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। जब तक व्यक्ति स्वयं को बुद्धिमान मानता है और व्यर्थ तर्क देता है, तब तक भगवान मौन रहते हैं। लेकिन, जब व्यक्ति अहंकार छोड़कर भगवान की शरण में चला जाता है, तब वे भक्त के सभी प्रश्नों के उत्तर देते हैं। जब हम अहंकार छोड़ देते हैं, तब ही भगवान की कृपा मिलती है। अर्जुन की आंखों में जब आंसू आ गए, तब श्रीकृष्ण ने अर्जुन के अज्ञान एवं मोह को दूर करने के लिए उपदेश दिया। गीता में भगवान ने अर्जुन को कर्म और कर्तव्य का महत्व समझाया। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि उठो और अपना कर्म करो। सभी तरह के मोह का त्याग करो और युद्ध करो। श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं, 'पार्थ! तुम केवल कर्म करो, फल की चिन्ता मत करो।' श्रीकृष्ण का यह संदेश केवल अर्जुन के लिये नहीं, सम्पूर्ण मानव जाति के लिये था। कर्म के प्रति आसक्ति मनुष्य के अन्दर 'मैं' का भाव पैदा करती है। गीता मनुष्य को इस 'मैं' से मुक्त करके निष्काम कर्म का संदेश देती है। भगवान कहते हैं कि अगर कोई निरंतर निराकार की भक्ति कर सकता है, तो वह भी मुझे पा सकता है।

भारतीय संस्कृति में गीता का स्थान सर्वोच्च है। भारतीय साधु–संन्यासियों के अन्तरतम में वीणा की झंकार की तरह गीता के श्लोक झंकृत होते हैं। कथा–प्रवचनों से लेकर घर–घर तक जीवन–सुधार परक उपदेश, नीति–नियमों का जो भी ज्ञान दिया जाता है, उसमें गीता का प्रकाश कहीं न कहीं अवश्य निहित जान पड़ता है। धरती पर शायद ही ऐसा कोई स्थान हो, जो गीता के प्रभाव से मुक्त हो। भारत भूमि तो उसके स्पर्श से धन्य हो गई है। गीता को, धर्म–अध्यात्म समझाने वाला अमोल काव्य कहा जा सकता है। सभी शास्त्रों का सार एक जगह कहीं यदि इकट्ठा मिलता हो, तो वह जगह है–गीता। गीता रूपी ज्ञान–गंगोत्री में स्नान कर अज्ञानी सदज्ञान को प्राप्त करता है। पापी पाप–ताप–संताप से मुक्त होकर संसार सागर को पार कर जाता है।गीता का गान करते–करते मनुष्य उस भावलोक में प्रवेश कर जाता है, जहाँ उसे अलौकिक ज्ञान–प्रकाश, अपरिमित आनन्द प्राप्त होता है। वह न कोई शास्त्र है, न ग्रन्थ है। वह तो सबको शीतल छाया देने वाला, ज्ञान का प्रकाश देने वाला, शंकाओं एवं आशंकाओं को दूर करने वाला कल्पवृक्ष है।

**भारतीय संस्कृति में गीता का स्थान सर्वोच्च है। भारतीय साधु-संन्यासियों के अन्तरतम में वीणा की झंकार की तरह गीता के श्लोक झंकृत होते हैं। कथा-प्रवचनों से लेकर घर-घर तक जीवन-सुधार परक उपदेश, नीति-नियमों का जो भी ज्ञान दिया जाता है, उसमें गीता का प्रकाश कहीं न कहीं अवश्य निहित जान पड़ता है। धरती पर शायद ही ऐसा कोई स्थान हो, जो गीता के प्रभाव से मुक्त हो। भारत भूमि तो उसके स्पर्श से धन्य हो गई है। गीता को, धर्म-अध्यात्म समझाने वाला अमोल काव्य कहा जा सकता है।**

## नजरिया

# पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से बीमारियों का कारगर उपचार

**डॉ. आर.के. सिन्हा**

सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों एक याचिका दाखिल कर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग की गई है । यह बिल्कुल ठीक ही है कि ऐसा करने से देश की एक बड़ी आबादी को सस्ती और असरदार स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। साथ ही, पारंपरिक चिकित्सा को भी पर्याप्त बढ़ावा मिलेगा और वे पहले की भाँति फिर से लोकप्रिय हो सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ, जैसे आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी इत्यादि, गरीब जनता के लिए कई मायनों में वरदान रही हैं और सरकारी संरक्षण प्राप्त होने पर और भी लोकप्रिय साबित हो सकती हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में आमतौर पर आधुनिक चिकित्सा की तुलना में उपचार की लागत काफी ज्यादा कम होती है। यह गरीब लोगों के लिए, जो महंगे अस्पताल और दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते , उनके लिए बहुत लाभकारी होती हैं।

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स पिछले दिनों एक निजी यात्रा पर भारत आए हुए थे। उनके साथ उनकी पत्नी क्वीन कैमिला भी थीं। वे बेंगलुरु के पास एक आधुनिक आरोग्यशाला होलिस्टिक हेल्थ सेंटर' में ठहरे। तीन दिन की यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने योग, मेडिटेशन सेशन और योग थेरेपी का भरपूर आनंद उठाया। यानी सामान्य रोगियों से लेकर ब्रिटेन के किंग को भी अब समझ में आ गया है कि सेहतमंद रहने और स्मार्ट दिखने के लिए भारत के आधुनिक डॉक्टरों और परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों से इलाज करवाना कहीं ज़्यादा सही रहेगा।

पारंपरिक चिकित्सक अक्सर ग्रामीण और दूर–दराज के इलाकों में भी आसानी से उपलब्ध होते हैं, जहाँ आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ कुछ ही मल्टी स्पेशलिटी अस्पतालों तक ही सीमित होती हैं। अतः यह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां ग्रामीण गरीबों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं और इनमें गरीब ग्रामीणों का अटूट विश्वास भी है। ज्यादातर पारंपरिक उपचार स्थानीय रूप से उपलब्ध जड़ी–बूटियों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर ही आधारित होते हैं, जिसकी लागत कम होती है।

एक खास बात यह भी है कि ये पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियाँ अक्सर शरीर और मन दोनों को एक साथ स्वस्थ रखने पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो आधुनिक चिकित्सा की तुलना में अधिक समग्र दृष्टिकोण है। यह जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम में अत्यंत कारगर मदद कर सकती हैं। हालांकि कुछ पारंपरिक उपचारों की प्रभावशीलता के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाणों का अभाव गिना दिया जाता है क्योंकि आधुनिक वैज्ञानिक रूप से स्वीकार्य प्रयोगों पर आधारित साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। सरकार को चाहिये कि आधुनिक प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक शोध के आधार पर इनके कारगर परिणाम के साक्ष्य उपलब्ध करवाए। इससे रोगियों की सुरक्षा और उपचार की गुणवत्ता वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सिद्ध और स्थापित हो सकेगी, नहीं तो पारम्परिक सिद्ध चिकित्सा पद्धतियों पर सवाल उठते ही रहेंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े लोगों को और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय को इस तरफ ध्यान देने की जरूरत तो है। इनमें गहन शोध तो होना ही चाहिए।

यह भी मानना होगा कि पारंपरिक चिकित्सा व्यवसाय का नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण अक्सर अपर्याप्त होता है। सरकार को इस तरफ भी देखना होगा। इनके कुछ चिकित्सक ऐसे दावे करते हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता है, जिससे रोगियों को भ्रमित किया जा सकता है और उनका स्वास्थ्य जोखिम में पड़ सकता है। अतः आयुष मंत्रालय को वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर इन दावों की प्रमाणिकता या तो सिद्ध करनी होगी या फिर ख़ारिज करना होगा। खैर, ये पद्धतियाँ जनता के लिए वरदान तो हो ही सकती हैं, खासकर जब वे आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत हों और उचित नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण के साथ संचालित हों। हालांकि, इन पद्धतियों की सीमाओं और चुनौतियों को भी स्वीकार करना और उनका समाधान करना महत्वपूर्ण है , ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह उपचार पद्धति भी वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक है ।

भारत अपनी विविधता और समृद्ध इतिहास के लिए जाना जाता है, जिसमें अनेकों पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ हज़ारों वर्षों से चली आ रही हैं। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा, होमियोपैथी और अनेक अन्य प्रणालियाँ सदियों से भारतीय समाज के स्वास्थ्य और कल्याण का एक अभिन्न अंग रही हैं। आज, जब आधुनिक चिकित्सा पद्धति तेज़ी से

आगे बढ़ रही है, तब भी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि यह और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। विश्व भर से प्रतिवर्ष हज़ारों अत्यंत पढ़े– लिखे और समृद्ध लोग आख़िर भारत आकर इन चिकित्सा पद्धतियों पर लाखों खर्च क्यों करते हैं। वे सभी पागल तो हैं नहीं। उन्हें निश्चित रूप से लाभ मिल रहा है तभी तो वे यहाँ आकर महीनों रहकर , लाखों खर्चकर स्वस्थ होकर वापस जा रहे हैं।

भारत में स्वास्थ्य सेवा का वितरण असमान है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँच सीमित होने के कारण, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये पद्धतियाँ स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करती हैं और अक्सर कम खर्चीली होती हैं, जिससे वे आम लोगों के लिए अधिक सुलभ होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अक्सर इन पद्धतियों पर ही निर्भर रहते हैं, क्योंकि ये उनके सांस्कृतिक परिवेश और आर्थिक स्थिति के अनुकूल हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ केवल बीमारियों के इलाज पर ही केंद्रित नहीं हैं, बल्कि रोगों की रोकथाम पर भी ज़ोर देती हैं। आयुर्वेद और योग जैसे पद्धतियाँ जीवनशैली में बदलाव, आहार और व्यायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं, जिससे कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। ये पद्धतियाँ शरीर और मन के बीच संबंध को समझती हैं और समग्र स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करती हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ प्रकृति से प्राप्त जड़ी–बूटियों और अन्य प्राकृतिक उपचारों का व्यापक उपयोग करती हैं। ये उपचार अक्सर कम साइड इफ़ेक्ट वाले होते हैं और आधुनिक दवाओं की तुलना में शरीर पर कम हानिकारक प्रभाव डालते हैं। भारत की जैव विविधता ने सदियों से पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को पोषित किया है और इन पद्धतियों को अद्वितीय उपचार विकसित करने का अवसर प्रदान किया है।

इन चिकित्सा पद्धतियाँ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये पद्धतियाँ सदियों से भारतीय समाज के जीवन में अंतर्निहित हैं और लोगों के स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन पद्धतियों को अपनाने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण में भी वृद्धि होती है।

आयुर्वेद और योग जैसे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों ने विश्व स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है। इनकी मांग बढ़ने से भारत के लिए आर्थिक अवसर भी पैदा हुए हैं। पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित उद्योगों का विकास भारत की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने और रोजगार के अवसर पैदा करने में योगदान दे सकता है। हालांकि, इन पद्धतियों को आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है।

यह महत्वपूर्ण है कि इन पद्धतियों का वैज्ञानिक सत्यापन किया जाए और उनकी प्रभावशीलता को सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, इन पद्धतियों के व्यावसायीकरण को नियंत्रित करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उचित विनियमन की भी आवश्यकता है। एक बात फिर दोहराना चाहता हूं कि आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, आदि पद्धतियों से जुड़े विद्वानों को अपने अनुसंधान को और गहना करना होगा। वैज्ञानिक पद्धति से किए गए शोध इन पद्धतियों के लाभों, कार्यप्रणाली और सीमाओं को स्पष्ट कर सकते हैं। इससे न केवल इन पद्धतियों की विश्वसनीयता बढ़ेगी, बल्कि अविश्वसनीय दावों से भी बचा जा सकेगा।

पारंपरिक पद्धतियों में पाए जाने वाले औषधीय पौधों और पदार्थों का आधुनिक विज्ञान के द्वारा गहन अध्ययन किया जा सकता है। इससे नई दवाओं और उपचारों का विकास संभव हो सकता है, जो कई बीमारियों के लिए प्रभावी इलाज मुहैया करा सकते हैं। बेशक, पारंपरिक औषधियों की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कठोर शोध आवश्यक है। पारंपरिक पद्धतियाँ अक्सर व्यक्ति–विशिष्ट उपचार पर जोर देती हैं। शोध से यह पता चल सकता है कि किस प्रकार के रोगियों के लिए कौन सी पद्धति अधिक प्रभावी है और व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार उपचार को कैसे अनुकूलित किया जा सकता है।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

# यूएनएचआरसी को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों पर ध्यान देना चाहिए : इस्कॉन

कोलकाता/भाषा। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों पर ध्यान देने का मंगलवार को आग्रह करते हुए कहा कि मानवाधिकारों का ऐसा उल्लंघन अत्यंत दुखद है।

कोलकाता में इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को वहां अशांति फैलाने वाले कट्टरपंथियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और वहां के अल्पसंख्यकों को भरोसा दिलाने के लिए उन उपद्रवियों को गिरफ्तार करना चाहिए। उन्होंने मानवाधिकार दिवस के अवसर पर यह टिप्पणी की है। दास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जागो, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद! कम से कम मानवाधिकार दिवस के दिन तो जागो। बांग्लादेश में जारी मानवाधिकार उल्लंघनों के प्रति आपकी चुप्पी और आंखें मूंद लेना अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों के सांसदों ने बांग्लादेश में हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई, लेकिन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

दास ने बांग्लादेश में इस्कॉन और हिंदू अल्पसंख्यकों को कथित तौर पर धमकी देने वाले एक कट्टरपंथी का वीडियो साझा करते हुए कहा, ''बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों के खिलाफ नरसंहार की इस खुली धमकी को सुनिए और जाग जाइए।

'पीटीआई-भाषा' स्वतंत्र रूप से इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

दास ने कहा कि बांग्लादेश स्थित इस्कॉन सभी लोगों को उनकी धार्मिक मान्यताओं के बावजूद सेवा और भोजन प्रदान करता है जैसा कि वह दुनिया के कई अन्य देशों में करता है।

दास ने कहा, ''हम केवल यह चाहते हैं कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और इस्कॉन की सुरक्षा हो।

## प्रदर्शन

पटना में मंगलवार को बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर कथित अत्याचारों के खिलाफ लोगों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

# बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ व्हाइट हाउस से 'यूएस कैपिटल' तक मार्च निकाला गया

वाशिंगटन/भाषा। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के विरोध में बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकियों ने व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) से लेकर यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) तक मार्च निकाला।

''हमें न्याय चाहिए'' और ''हिंदुओं की रक्षा करो'' जैसे नारे लगाते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों ने निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन और नवनिर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से आग्रह किया कि वे बांग्लादेश की नई सरकार से हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाने को कहें और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी करें।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में सोमवार को यह मार्च निकाला गया।

इस कार्यक्रम के आयोजकों, 'स्टॉपहिंदूजेनोसाइड.ओआरजी', 'बांग्लादेशी डायसपोरा ऑर्गेनाइजेशंस' और 'हिंदूएक्शन' ने मांग की कि अमेरिका में स्थित कंपनियां बांग्लादेश से कपड़े खरीदना बंद करें, जो अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात पर काफी हद तक निर्भर है।

'हिंदूएक्शन' के उत्सव चक्रवर्ती ने कहा, ''यह मार्च न्याय के लिए सिर्फ एक पुकार नहीं है, बल्कि यह जवाबदेही की मांग है। आज, बांग्लादेशी हिंदू समुदाय और भारतीय उपमहाद्वीप से बड़ा हिंदू प्रवासी बांग्लादेशी हिंदू समुदाय के समर्थन में आया है, क्योंकि बांग्लादेश विशेष रूप से चटगांव और रंगपुर क्षेत्र सहित देश के कुछ अन्य हिस्सों में हिंसा जारी है।

चक्रवर्ती ने कहा, ''हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उनके मंदिरों को जलाया और नष्ट किया जा रहा है। उनके घरों को लूटा जा रहा है।

# अपनों की तलाश में हजारों लोग सीरिया की खौफनाक जेल पहुंच रहे

दमिश्क (सीरिया)/एपी। सीरिया में पूर्व राष्ट्रपति बशर असद के शासन के खात्मे के बाद जिस जगह लोग सबसे पहले पहुंच रहे हैं, वह है सैदनया जेल। अपनों की तलाश में सीरिया के कोने कोने से हजारों की संख्या में लोग इस खौफनाक जेल में पहुंच रहे हैं, जो अपनी भयावहता के लिए इतनी बदनाम जगह थी कि इसे लंबे समय तक ''कत्लगाह'' के रूप में जाना जाता था।

बीते दो दिनों से ये लोग दमिश्क के बाहर स्थित गुप्त, विशाल जेल में वर्षों या दशकों पहले गायब हुए अपने प्रियजनों मौजूदगी के निशान तलाशने के लिए इस जेल में उमड़ रहे हैं। लेकिन सोमवार को उम्मीद की जगह निराशा ने ले ली। लोगों ने गलियारों में लगे लोहे के भारी दरवाजे खोले और पाया कि अंदर की कोठरियां खाली थीं। हथौड़ों, फावड़ों और ड्रिल की मदद से लोगों ने फर्श और दीवारों में छेद कर दिए। वे उन चीजों की तलाश कर रहे थे जो उन्हें लगता था कि वे गुप्त कालकोठरी में छिपे हैं। वे ऐसी आवाजों का पीछा कर रहे थे जो उन्हें लगता था कि उन्होंने जमीने के नीचे से सुनी हैं। हालांकि उनके प्रयास असफल रहे और उन्हें कुछ भी हाथ नहीं लगा।

रविवार को जब दमिश्क पर विद्रोहियों का कब्जा हुआ तो उन्होंने सैदनया सैन्य जेल से दर्जनों लोगों को रिहा कर दिया। तब से अब तक लगभग किसी का पता नहीं चल पाया है। वहां पहुंची घादा असद की आंखों में आंसू थे। उन्होंने पूछा, ''सारे लोग कहां हैं? सबके बच्चे कहां हैं। कहां हैं सभी लोग?''

असद अपने भाई की तलाश में दमिश्क स्थित अपने घर से राजधानी के बाहरी इलाका स्थित जेल पहुंची थीं। उनके भाई को 2011 में हिरासत में लिया गया था जब पहली बार राष्ट्रपति के शासन के खिलाफ विद्रोह भड़का था, जिसके बाद विद्रोह ने गृह युद्ध का रूप ले लिया था। हालांकि वह नहीं जानती कि उनके भाई को क्यों गिरफ्तार किया गया था।

तलाशी में मदद कर रहे नागरिक सुरक्षा अधिकारी भी परिवारों की तरह ही इस बात को लेकर भ्रमित थे कि कोई और कैदी क्यों नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि हाल के हफ्तों में यहां कम कैदी रखे गए हैं।

असद के शासन के दौरान और खास तौर पर 2011 में विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद राष्ट्रपति के प्रति असहमति का कोई भी संकेत व्यक्ति को सैदनया जेल पहुंचा सकता था। बहुत कम लोग ही जेल से बाहर आ सके।

वर्ष 2017 में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' के अनुमान के अनुसार, उस समय ''समाज के हर क्षेत्र से'' 10,000-20,000 लोगों को सैदनया जेल में रखा गया था। रिहा किए गए कैदियों और जेल अधिकारियों की गवाही का हवाला देते हुए एमनेस्टी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान हजारों लोगों को सामूहिक फांसी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, कैदियों को लगातार यातना दी जाती, पीटा जाता, उनसे बलात्कार किया जाता।

मानवाधिकार संगठन ने कहा कि तकरीबन हर दिन जेल के सुरक्षा गार्ड जेल कोठरियों से उन कैदियों के शवों को एकत्रित करते जिनकी यातना के कारण मौत हुई थी।

# फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' की बॉक्स ऑफिस पर सुनामी, 529 करोड़ की कमाई की

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' ने भारतीय बाजार में 529 करोड़ रूपये की शानदार कमाई कर ली है। पुष्पा 2: द रूल' साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक थी , जिसे देखने के लिए सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। 'पुष्पा 2: द रूल' रिलीज के बाद से ही हर दिन नए रिकॉर्ड्स बना रही है। सुकुमार के निर्देशन में बनी फिल्म पुष्पा 2 द रूल की स्पेशल स्क्रीनिग 04 दिसंबर को हुयी थी। स्पेशल स्क्रीनिंग में इस फिल्म ने 10.1 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2: द रूल' बॉक्स ऑफिस पर कमाई की सुनामी लेकर आई है।पुष्पा 2' को दर्शकों और समीक्षकों से भी तारीफ मिली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार पुष्पा 2 द रूल ने अपने पहले दिन 164.25 करोड़ की कमाई की। फिल्म ने दूसरे दिन 93.8करोड़ रूपये की कमाई की। फिल्म ने तीसरे दिन

119.25 करोड़, चौथे दिन रविवार को तेलुगु में 44 करोड़ रूपये, हिंदी में 85 करोड़ रूपये, तमिल में 9.5 करोड़ रूपये, कन्नड़ में 1.1करोड़ रूपये और मलयालम में 1.9करोड़ रूपये की कमाई कर ली है।

इस तरह यह फिल्म 529करोड़ की कमाई कर चुकी है। उम्मीद की जा रही है यह फिल्म सोमवार तक 600 करोड़ की कमाई कर लेगी। पुष्पा: द राइज के सीक्वल पुष्पा 2: द रूल में अल्लू अर्जुन पुष्पा राज की भूमिका में और रश्मिका मंदाना श्रीवल्ली की भूमिका में वापस आ गयी हैं। इस फिल्म में फहाद फासिल की भी अहम भूमिका है।इस फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स ने किया है और इसका संगीत टी-सीरीज ने दिया है।

# फिल्म 'यो यो हनी सिंह' फेमस का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने रैपर-सिंगर यो यो हनी सिंह के जीवन पर बनीं डॉक्यूमेंट्री फिल्म यो यो हनी सिंह फेमस का ट्रेलर रिलीज हो गया है। नेटफ्लिक्स ने रैपर यो यो हनी सिंह पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'यो यो हनी सिंह फेमस' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है।मोजेज सिंह के निर्देशन में सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित यह फिल्म हनी सिंह के जीवन पर प्रकाश डालेगी। हनी सिंह ने साझा किया, सालों से, मीडिया में मेरे बारे में अनगिनत अटकलें लगाई जाती रही हैं, और मैंने कभी भी अपनी कहानी का पक्ष साझा नहीं किया। यह डॉक्यूमेंट्री मेरी कहानी बताने का सही अवसर है। मेरे प्रशंसक हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं, मेरी अनुपस्थिति में भी, और इसके लिए मैं हमेशा उनका आभारी रहूँगा। नेटफ्लिक्स पर यह डॉक्यूमेंट्री-फिल्म स्पॉटलाइट से परे जाकर मुझे असली रूप में दिखाती है। उतार-चढ़ाव और बीच की हर चीज़। मैं आखिरकार अपनी यात्रा को दुनिया के साथ साझा करने के लिए उत्साहित हूं।

सिख्या एंटरटेनमेंट के निर्माता गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन ने कहा, यो यो हनी सिंह जैसे रंगीन करियर को डॉक्यूमेंट करना नेटफ्लिक्स के साथ-साथ हमारे क्रू के लिए बेहद यादगार यात्रा रही है, यह जानना दिलचस्प था कि हम स्टेज नाम के पीछे के असली व्यक्ति के बारे में कितना कम जानते थे।एक डॉक्यूमेंट्री-फिल्म की भावना के अनुरूप, हम भारत के सबसे प्रिय संगीत आइकन में से एक की यात्रा के अनकहे पहलुओं को साझा करने के लिए उत्साहित हैं ।शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसने उनके कम से कम एक गाने पर डांस न किया हो, और अब समय आ गया है कि हम उन्हें बिना किसी फ़िल्टर के असली रूप में जानें। हम मोज़ेज़ सिंह के साथ सहयोग करके रोमांचित हैं, जो संगीत के निर्विवाद बादशाह के जीवन की एक अनफ़िल्टर्ड झलक दिखाने के लिए अपनी दृष्टि और सहानुभूति लेकर आते हैंदर्शकों को भारत की सबसे ज़्यादा सुनी जाने वाली आवाज़ के पीछे की असली कहानी से परिचित कराते हैं।

निर्देशक मोजेज सिंह ने कहा, यह फिल्म बनाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। हनी ने मुझे अपनी जिंदगी में अभूतपूर्व पहुंच दी है और यह तथ्य कि उन्होंने अपनी कहानी मुझ पर भरोसा करके बताई है, मेरे लिए न केवल एक फिल्म निर्माता के रूप में बल्कि एक इंसान के रूप में भी सच्चाई का एक वास्तविक क्षण है।मुझे उम्मीद है कि दुनिया इसे देखना उतना ही पसंद करेगी जितना मुझे इसे बनाना पसंद आया है। और अंत में, इस अवसर के लिए नेटफ्लिक्स और सिख्या को और मेरे विजन का समर्थन करने के लिए मेरी संपादक दीपा भाटिया को बहुत-बहुत धन्यवाद। यो यो हनी सिंह: फेमस का प्रीमियर 20 दिसंबर को, विशेष रूप से नेटफ्लिक्स पर होगा।

# सोनु सूद की फिल्म 'फतेह' का डिजिटल टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद की आने वाली फिल्म फतेह का डिजिटल टीजर रिलीज हो गया है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित साइबर क्राइम एक्शन थ्रिलर फतेह में सोनु सूद ,जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।लेखक-निर्देशक सोनू सूद की निर्देशन में पहली फ़िल्म, फ़तेह एक पूर्व-विशेष ऑपरेशन ऑपरेटिव के बारे में है, जो एक साइबर अपराध सिंडिकेट की गहराई में उतरता है, और उन अंधेरी ताकतों का पता लगाता है जो एक युवा महिला के एक खतरनाक घोटाले में फंसने के बाद अनगिनत ज़िंदगियों को अस्थिर करने की धमकी देती हैं।सोनू सूद के निर्देशन में बनी इस फिल्म में हॉलीवुड के शीर्ष तकनीशियनों द्वारा समर्थित हाई-ऑक्टेन एक्शन है, जो शुरू से अंत तक एक मनोरंजक, रोमांचक अनुभव सुनिश्चित करता है।सिनेमाघरों के बाद, फिल्म फतेह का डिजिटल टीज़र रिलीज़ हो गया है।

सोनू सूद ने कहा,पिछले कुछ सालों में दर्शकों से मुझे जो प्यार मिला है, वह असाधारण है और मैं इसी प्यार की उम्मीद कर रहा हूं क्योंकि फ़तेह का टीज़र आखिरकार रिलीज़ हो गया है। यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है,न केवल इसलिए कि यह एक निर्देशक के रूप में मेरी पहली फिल्म है, बल्कि इसलिए भी कि यह उस खतरनाक खतरे के खिलाफ़ एक आवाज़ है जिसे हममें से कई लोग कम आंकते हैं। साइबर दुनिया की अदृश्य, अंधेरी ताकतें। फिल्म का दिल इसकी अत्याधुनिक एक्शन है जो वास्तविक और आभासी के बीच अंतिम टकराव के साथ खेलती है। यह उन सभी नायकों के लिए है जो उन लड़ाइयों से लड़ने की हिम्मत रखते हैं जिन्हें हममें से कई लोग नहीं देख पाते हैं। सोनाली सूद और उमेश केआर बंसल द्वारा निर्मित, फतेह, साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई की एक मनोरंजक कहानी है। यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी।




# फिल्म 'बागी 4' से संजय दत्त का खूंखार लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो संजय दत्त की आने वाली फिल्म 'बागी 4' से उनका खूंखार लुक रिलीज हो गया है। एक्शन थ्रिलर बागी फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म बागी 4 का एलान कुछ दिन पहले ही हो गया था। टाइगर श्राफ ने बागी फ्रेंचाइजी की फिल्म बागी ,बागी 2 और बागी 3 में काम किया है। अब टाइगर, फिल्म बागी 4 में नजर आयेंगे।बागी 4 में संजय दत्त की एंट्री हो गयी है। इस फिल्म से संजय दत्त का पहला पोस्टर रिलीज हो गया है। टाइगर श्रॉफ ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बागी 4 के विलेन से पर्दा उठाया है। उन्होंने संजय दत्त का एक पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में संजय दत्त खूंखार लुक में दिखाई दे रहे हैं। एक लड़की का शव लिए कुर्सी पर बैठकर खून से लथपथ संजय दत्त चीख रहे हैं। पोस्टर के ऊपर लिखा है, हर आशिक खलनायक होता है। साजिद नाडियाडवाला निर्मित और ए. हर्षा द्वारा निर्देशित फिल्म बागी 4 ,05 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अभिनेत्री करिश्मा कपूर और नीतू कपूर, राज कपूर के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए नई दिल्ली रवाना हुईं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 11-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो साउथ लेडीज विंग द्वारा सोमवार से जीतो कार्यालय में 7 दिनों की पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर 'मन की बात फॉर पेरेंट्स' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया।

# जैन समाज द्वारा किए जा रहे मानवसेवार्थ कार्य अनुकरणीय हैं : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। शहर के बस्तवाड़ा में कर्नाटक समस्त जैन समाज द्वारा विशाल जैन सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय संत गुणधरनंदीजी के सान्निध्य में आयोजित किया गया जिसमे सकल जैन समाज के हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे। इस दौरान राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी सम्मेलन में भाग लिया और जैन समुदायों की मांग को पूरा करने का आश्वासन दिया। शिवकुमार ने कहा कि जैन समुदाय हमेशा मानवसेवा व परहित के कार्यों में आगे रहता है और अन्य समाज को उनके कार्य से प्रेरणा लेना चाहिए। जैन समाज द्वारा किए जा रहे मानवसेवार्थ कार्य अनुकरणीय है। इस सम्मलेन में समाजसेवी महेंद्र सिंघी ने कहा कि स्वाभिमान और ईमानदारी का दूसरा नाम जैन समाज है। जैन समाज सदैव सेवा सद्भावना के लिए जाना जाता है। साथ ही सिंघी ने जैन समाज के तीर्थ स्थलों की रक्षा, विहार के दौरान जैन साधुओं की रक्षा के साथ राज्य सरकार से मांग रखी की। राज्य सरकार द्वारा जैन अल्पसंख्यक आर्थिक विकास फोरम का गठन करने की मांग की और कहा कि जैन समाज के सदस्यों को सरकार द्वारा गठित विभिन मंडलो में उचित प्रतिनिधत्व देने की।

इस सम्मेलन में देवेन्द्रकीर्तिजी भट्टारक, भटकलंकाजी भट्टारक, जिनसेनजी भट्टारक, स्वस्तिश्री लक्ष्मी सेना, चारुकिर्तिजी भट्टारक, मंत्री सतीश जारकीहोली, डी. सुधाकर, लक्ष्मी हेब्बालकर, विधायक अभय पाटिल, पूर्व विधायक संजय पाटिल, दिगंबर जैन समाज हुब्बल्ली के अध्यक्ष राजेंद्र बिलगी, संतोष पाटिल, विमल तालिकोटि सहित अन्य उपस्थित थे।

## प्रतिभा पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के प्रियदर्शनी पब्लिक स्कूल लग्गेरे में नोटबुक वितरण एवं प्रतिभा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर मारुति मेडिकल्स द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत 700 विद्यार्थियों को नोटबुक्स वितरित कर मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया

# स्टाइल और फैशन का शानदार कलेक्शन लेकर आ रही हाई लाइफ प्रदर्शनी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्टाइल, लग्जरी और फैशन के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी का आगाज 12 दिसंबर को यहां द ललित अशोक में होगा। यह प्रदर्शनी 14 दिसंबर तक जारी रहेगी। इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा। आयोजकों ने बताया कि यह प्रदर्शनी दुल्हन के फैशन, स्टेटमेंट ज्वेलरी, डिजाइनर परिधान और घरेलू सजावट का शानदार सामान लेकर आ रही है। त्योहारी सीज़न के लिए बिल्कुल उपयुक्त, हाई लाइफ वह जगह है जहां आप टॉप डिजाइनरों और यूनिक लेबल्स के प्रीमियम कलेक्शन ढूंढ़ सकते हैं।

उन्होंने बताया कि चाहे आप शादी की तैयारी कर रहे हों या अपने वार्डरोब और घर को नया रूप देना चाहते हों, हाई लाइफ प्रदर्शनी में आपके लिए सभी तरह की शानदार चीजें एक ही जगह पर उपलब्ध होंगी।

यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध होंगे।

# स्कूली बच्चों ने सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में जाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत संस्कारशाला का आठवाँ चरण अध्यक्ष सुमन पटवारी के निर्देशानुसार माल्यसंद्रा स्थित सरकारी स्कूल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आशा लोढ़ा ने नमस्कार महामंत्र से की। इस कार्यशाला में उपाध्यक्ष मधु कटारिया ने 'सोशल मीडिया के सही उपयोग' पर बच्चों को सोशल मीडिया के लाभ और चुनौतियों के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें सोशल मीडिया का ज्ञान प्राप्ति, शिक्षा और सकारात्मक संचार के लिए उपयोग करने की सलाह दी गई। साथ ही फेक न्यूज, साइबर बुलिंग और गोपनीयता के खतरों से बचने के लिए सतर्क रहने की प्रेरणा दी गई।

बच्चों ने समूह चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने सोशल मीडिया का सही उपयोग और इसके खतरों से बचने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं के बारे में बताया। बच्चों को उपहार वितरित किए गए। इस कार्यशाला में मंत्री पदमा मेहर एवं प्रचार प्रसार मंत्री पूनम दक उपस्थित थी। मंडल की ओर से स्कूल में प्रिंटर भेंट किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## उत्सव शुभारंभ

वेल्लूर के श्रीपुरम स्थित नारायणी पीठ में आयोजित होने वाले भगवान तिरु के धार्मिक उत्सव का शुभारंभ करते हुए पीठ के पीठाधीश्वर शक्ति अम्मा। उनके साथ अरुणाचलेश्वर मंदिर तिरुवन्नमलई निदेशन डॉ एम सुरेश बाबू एवं अन्य ट्रस्टी भी उपस्थित थे।

# केंद्र और कर्नाटक को सूखा सहायता से संबंधित मुद्दे का समाधान करना चाहिए : न्यायालय

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि केंद्र और कर्नाटक सरकार को सूखा प्रबंधन के वास्ते राज्य के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) से वित्तीय सहायता जारी करने के मुद्दे का समाधान करना चाहिए। केंद्र की ओर से पेश हुए अटार्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ से कहा कि उन्हें इस मामले में हलफनामा दाखिल करने के लिए कुछ समय चाहिए। पीठ ने कहा, ''आपको इसका समाधान करना चाहिए।''

उच्चतम न्यायालय कर्नाटक सरकार द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें केंद्र को यह निर्देश देने की अपील की गई है कि वह सूखा प्रबंधन के लिए राज्य को एनडीआरएफ से वित्तीय सहायता जारी करे। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, '' अब तक कितनी (सहायता) राशि जारी की गयी है?'' कर्नाटक की ओर से पेश वकील ने कहा कि राज्य ने 18,171 करोड़ रुपये की मांग की थी और उसे 3,819 करोड़ रुपये दिए गए हैं। पीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई जनवरी में तय की। केंद्र ने 29 अप्रैल को शीर्ष अदालत को बताया था कि सूखा प्रबंधन के लिए कर्नाटक सरकार को लगभग 3,400 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। याचिका में यह घोषित करने की अपील की गई है कि एनडीआरएफ के अनुसार सूखा प्रबंधन के लिए पूर्ण वित्तीय सहायता जारी न करने का केंद्र का निर्णय संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत राज्य के लोगों के मौलिक अधिकारों का 'पूर्व-दृष्टया उल्लंघन' है। याचिका में कहा गया है कि राज्य 'भयंकर सूखे' की चपेट में है जिससे लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। उसने कहा कि 2023 के खरीफ सीजन (जून-सितंबर) में 236 में से 223 तालुके सूखा प्रभावित घोषित किये गये थे।

# 'मन की बात बोलने की नहीं, अपितु क्षमता को पहचानने और आत्मविश्वास को बढ़ाने की प्रक्रिया है'

## जीतो साउथ लेडीज विंग ने आयोजित की कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज विंग द्वारा सोमवार से जीतो कार्यालय में 7 दिनों की पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर 'मन की बात फॉर पेरेंट्स' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य, अभिभावकों को प्रभावी संवाद के उपकरणों से सशक्त बनाना है, ताकि वे अपनी ज़िंदगी को और समृद्ध कर सकें और आने वाली पीढ़ी को प्रेरित कर सकें। यह कार्यशाला जीतो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत 50 वर्ष और उससे ऊपर के अभिभावकों के लिए डिज़ाइन की गई है। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को मैप्स (मास्टर दि आर्ट ऑफ़ पब्लिक स्पीकिंग ) पद्धति के माध्यम से पब्लिक स्पीकिंग कौशल को बेहतर बनाना है। कार्यशाला का उद्घाटन चेयरपर्सन बबिता रायसोनी द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, मन की बात सिर्फ मंच पर बोलने के बारे में नहीं है, बल्कि यह अपनी असली क्षमता को पहचानने और आत्मविश्वास को बढ़ाने की प्रक्रिया है। इस यात्रा के माध्यम से, प्रतिभागी अपनी जादुई ताकत को पहचानेंगे, जिससे यह कार्यशाला उनके जीवन का यादगार और परिवर्तनकारी अनुभव बनेगा। जीतो साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया ने साझा किया कि पब्लिक स्पीकिंग आत्मविश्वास को बढ़ावा देती है, बेहतर नेतृत्व कौशल विकसित करती है और रिश्तों को मजबूत करती है। उन्होंने यह भी कहा कि महान नेता नेतृत्व की भूमिका खुद के फायदे के लिए नहीं, बल्कि बदलाव लाने के लिए स्वीकार करते हैं।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्वलन का कार्य पायलट फैकल्टी अरविंद मांडोत, को-फैकल्टी रक्षा जैन, विनोद मोदी, जीतो साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया, पूर्व चेयरपर्सन मधु जोशी, केकेजी जोन संयोजिका पिंकी जैन, श्रमण आरोग्यम संयोजिका सुनीता गांधी, उपाध्यक्ष लता बोहरा, कोषाध्यक्ष संगीता पारख और प्रबंध समिति के सदस्य हेमा सोलंकी, अस्मिता चौहान और प्रिय गांधी ने किया। जीतो लेडीज विंग की मुख्य सचिव, निधि पालरेचा और जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीतजी सोलंकी ने शुभकामनाएँ दी। अरविंद मांडोत का परिचय तरुणा मेहता ने, रक्षा जैन का परिचय अर्पिता लधानी ने और विनोद मोदी का परिचय संगीता पारख ने दिया। कार्यशाला में विशेष सम्मान उन प्रतिभागियों को दिया गया जिन्होंने अपना परिचय और यादगार भाषण प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम को कनिष्का मोदी ने एक यादगार मॉक भाषण के साथ और भी विशेष बना दिया। इस कार्यशाला में कुल 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यशाला का धन्यवाद ज्ञापन अस्मिता चौहान ने किया।

# जीतो नॉर्थ चैप्टर ने 'जेआईआईएफ-दि स्टार्टअप गेटवे' कार्यक्रम का किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो नॉर्थ चैप्टर ने जेआईआईएफ- दि स्टार्टअप गेटवे कार्यक्रम का आयोजन नॉर्थ चैप्टर के कार्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें उद्योग और उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। फ्लिपकार्ट के हेड ऑफ मीडिया आकाश जैन ने ई-कॉमर्स के बदलते परिदृश्य और मीडिया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जीतो सदस्यों और उद्योगपतियों के लिए उपलब्ध नवीनतम अवसरों की जानकारी दी। लेटजरीड के संस्थापक तरुण जैन ने अपने अनुभव साझा करते हुए जेआईआईएफ के महत्व, नई पहलकदमियों और संरचित निवेश के अवसरों पर जानकारी दी।

जीतो अपेक्स के चेयरमैन जिनेन्द्र भंडारी ने जेआईआईएफ-जीतो इनक्यूबेशन व इनोवेशन फाउंडेशन की चार प्रमुख श्रेणियों पर प्रकाश डाला। जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी का स्वागत किया।

महामंत्री विजय सिंघवी ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन मंत्री पंकज बालर ने किया और कार्यकारिणी सदस्य सतीश पोरवाड़ ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रवक्ताओं का परिचय जीतो वॉइस चेयरमैन कमल पुनमिया और दिनेश बाफना ने कराया। प्रश्नोत्तर सत्र में सभी 100 प्रतिभागियों ने जेआईआईएफ के बारे में और निवेश के अवसर और स्टार्टअप पिच के बारे में जानने के लिए उत्सुक थे।

# 'स्वास्थ्य ही सम्पत्ति' विषयक सेमिनार में अरुण ऋषि देंगे व्याख्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन सेवा मंडल की ओर से 22 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सभागार में 'स्वास्थ्य ही सम्पत्ति है' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आयुष्मान भव ट्रस्ट उज्जैन (मध्यप्रदेश) के संस्थापक अरुण ऋषि इस विषय पर व्याख्यान देंगे। बेंगलूरु जैन सेवा मंडल के उपाध्यक्ष दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष मदनलाल वेदमूथा व प्रचारप्रसार मंत्री कैलाश कुमार ने बताया कि करीब ढाई घंटे चलने वाले सेमिनार में अरुण ऋषि ताली, एक्यूप्रेशर से स्वस्थ रहने के गुर सिखाएंगे तथा प्राकृतिक वस्तुओं के उपयोग सौन्दर्य निखारने के गुर सिखाएंगे।

# पहली बार, आईआईटी मद्रास ने भ्रूण के मस्तिष्क की सबसे विस्तृत 3डी तस्वीरें जारी की

नयी दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास भ्रूण के मस्तिष्क की सबसे विस्तृत 3डी उच्च-रिजॉल्यूशन तस्वीरें जारी करने वाला दुनिया का पहला अनुसंधान संस्थान बन गया है। आईआईटी मद्रास के निदेशक वी.कामकोटी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस तरह के हाई-रिजॉल्यूशन वाली मस्तिष्क तस्वीर तैयार करने का मुख्य उद्देश्य विकासात्मक विकारों के शीघ्र निदान और उपचार के लिए वर्तमान भ्रूण इमेजिंग प्रौद्योगिकियों में प्रगति है। कामकोटी ने बताया कि आईआईटी मद्रास के सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर द्वारा किया गया अग्रणी कार्य ब्रेन मैपिंग प्रौद्योगिकी की सीमाओं को परे ले जाता है और भारत को ब्रेन मैपिंग विज्ञान के वैश्विक समूह में स्थान दिलाता है, क्योंकि यह दुनिया में अपनी तरह का पहला कार्य है।

अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक देश के लिए भ्रूण से लेकर बच्चे, किशोरावस्था और युवा वयस्क तक के मस्तिष्क के विकास तथा ऑटिज्म जैसे विकासात्मक विकारों को समझना महत्वपूर्ण है। संस्थान के निदेशक के मुताबिक, विश्व स्तर पर पहली बार, संस्थान में सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर द्वारा विकसित अत्याधुनिक ब्रेन मैपिंग प्रौद्योगिकी का उपयोग करके 5,132 मस्तिष्क खंडों को डिजिटल तस्वीरों में अंकित किया गया है। यह कार्य तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र को आगे बढ़ाएगा और संभावित रूप से मस्तिष्क को प्रभावित करने वाली स्वास्थ्य स्थितियों के लिए उपचार के विकास की ओर ले जाएगा। उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक कार्य पहली बार हुआ है जब भारत से इस तरह के उन्नत मानव तंत्रिका विज्ञान डेटा तैयार किया है। यह परियोजना पश्चिमी देशों की तुलना में 1/10वें हिस्से से भी कम लागत पर पूरी की गई।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com